Daksh®

25 सितम्बर 2025 को जारी विज्ञप्ति,
परिवर्तित एवं नवीनतम पाठ्यक्रमानुसार

RPSC अजमेर द्वारा आयोजित

A Complete Guide for

सामान्य शिक्षा, संस्कृत शिक्षा, विशेष शिक्षा भर्ती परीक्षा
हेतु समान रूप से उपयोगी

ग्रेड-2nd शिक्षक भर्ती

सामान्य ज्ञान [G.K.]

Paper-I (अनिवार्य)

- राजस्थान का भौगोलिक, ऐतिहासिक , सांस्कृतिक, राजनीतिक एवं प्रशासनिक व्यवस्था
- भारत का भूगोल, अर्थव्यवस्था, संविधान और विदेशी नीति
- विश्व का भूगोल

- 11 सितम्बर 2025 का प्रश्नपत्र सम्पूर्ण हल एवं व्याख्या सहित समावेश
- विगत वर्षों के प्रश्नपत्रों में पूछे गये प्रश्नों का अध्यायवार समावेश
- पाठ्यक्रम में शामिल प्रत्येक बिन्दु पर आधारित प्रश्नों का महत्त्व के अनुसार समावेश

ओमप्रकाश यादव • एच. चारण • रामजीलाल यादव

Buy Online at :
WWW.DAKSHBOOKS.COM

दक्ष®

Daksh®

राजस्थान लोक सेवा आयोग, अजमेर द्वारा आयोजित

A Complete Guide for

सामान्य शिक्षा, संस्कृत शिक्षा, विशेष शिक्षा भर्ती परीक्षा हेतु समान रूप से उपयोगी

No.1

ग्रेड-2nd शिक्षक भर्ती

सामान्य ज्ञान [G.K.]

Paper-I (अनिवार्य)

:: दक्ष की पुस्तकें ही क्यों पढ़ें? ::

- 25 सितम्बर, 2025 को जारी नवीनतम पाठ्यक्रमानुसार सारगर्भित पुस्तक।
- लगभग 2500 प्रश्नों का समावेश।
- RPSC पाठ्यक्रम एवं प्रतियोगी परीक्षाओं के बदलते पैटर्न पर आधारित प्रश्नों 'मानचित्र आधारित', 'कथन–कारण आधारित', 'मिलान आधारित', 'कूट आधारित' का समावेश।
- आर्थिक समीक्षा 2024-25 के नवीनतम आँकड़ों का समावेश।
- राजस्थान के नवीनतम 41 जिलों एवं 7 संभागों का समावेश। नवीनतम आँकड़ों का समावेश।
- विगत वर्षों में IInd Grade अध्यापक भर्ती में पूछे गये प्रश्नों का अध्यायवार समावेश।
- सभी अध्यायों को पॉइन्ट टू पॉइन्ट रूप में सरल भाषा में समझाया गया है। जिससे पढ़ने वाले छात्र (अभ्यर्थी) को बोझिलता या नीरसता को महसूस नहीं करें।
- NCERT एवं RBSE की पुस्तकों का अध्यायवार समावेश।
- इस पुस्तक के सभी अध्यायों में विषयवस्तु को सरलीकरण रूप में प्रस्तुत करने के लिए मानचित्र, चार्ट, चित्र, सारणी का समावेश किया गया है।

लेखकगण

ओम प्रकाश यादव | एच. चारण | रामजी लाल यादव

DAKSH PUBLICATIONS
(A Unit of College Book Centre)
WWW.DAKSHBOOKS.COM

प्रकाशक :
परितोष वर्धन जैन
कॉलेज बुक सेन्टर
A-19, सेठी कॉलोनी,
जयपुर-302 004

© सर्वाधिकार प्रकाशकाधीन

DTP :
Pooja Enterprises
Jaipur

Printed by :
K.D. Printers
Jaipur

RAJASTHAN PUBLIC SERVICE COMMISSION, AJMER

SYLLABUS

for Examination for the post of

SR.TEACHER (GRADE-II)

SECONDARY EDUCATION DEPARTMENT

PAPER-I

Part-I : Geographical, Historical, Cultural & General Knowledge of Rajasthan

- Physical features, Climate, Drainage, Natural Vegetation, Agriculture, livestock, Dairy development, Demographic Characteristics, Tribes, Industries, Tourism and major tourist centres.
- **Ancient Culture & Civilization of Rajasthan (Sites and their importance)**
- **History of Rajasthan upto 18th Century**
  - — Rajput dynasties of Rajasthan
  - — Relations with Delhi Sultanate – Mewar, Ranthambore and Jalore.
  - — Rajasthan and Mughals – Mewar, Marwar, Amer and Bikaner (With special reference to Sanga, Pratap, Mansingh of Amer, Chandrasen, Rai Singh of Bikaner, Raj Singh of Mewar).
- **History of Freedom Struggle in Rajasthan**
  - — Revolution of 1857.
  - — Prajamandal Movements.
  - — Political Awakening.
  - — Peasants and Tribal Movements.
- **Integration of Rajasthan**
- **Society and Religion**
  - — Lok Devta and Devian.
  - — Saints of Rajasthan.
  - — Architecture – Temples, Forts, Palaces & Monuments.
  - — Paintings – Various Schools.
  - — Fairs and Festivals.
  - — Customs, Dresses, Ornaments and Handicrafts.
  - — Folk Music, Dance and performing Art.
  - — Language and Literature.
  - — Leading Personalities of Rajasthan.
- **Political and Administrative System of Rajasthan: -**
  - — Governor, Chief Minister and Council of Ministers.
  - — State Legislative Assembly.
  - — Rajasthan High Court and Subordinate Courts.
  - — Panchayati Raj System and its Administration.
  - — Urban Local Self Government and its Administration.
  - — State Secretariat, Divisional Commissioner, District Administration.
  - — Rajasthan Public Service Commission, Rajasthan State Commission for Women, Rajasthan State Finance Commission, Rajasthan State Election Commission.
  - — Lokayukta, Rajasthan State Legal Services Authority.

Part-II Current Affairs of Rajasthan

Part-III General Knowledge of World & India

- Continents, Oceans and their characteristics, Global Wind System, Environmental issues and strategies, Principal Human Occupation, Population distribution and Migration.
- **India: -** Physical features, Climate System, Drainage, Natural Vegetation and Biodiversity, Energy resources.
- **Indian Economy: -**
  - — Growth and Development in Agriculture, Industry and Service Sector in India. Foreign Trade of India: Trends, Composition and Direction.
- **Constitution of India and Foreign Policy: -**
  - — Constitutional Development of India, Constituent Assembly and Role of B.R Ambedkar.
  - — Citizenship, Fundamental Rights, Directive Principles of State Policy, Fundamental Duties.
  - — President, Vice-President, Prime Minister and Council of Ministers.
  - — Parliament, Supreme Court, Election Commission.
  - — Principles of India's Foreign Policy and Contribution of Jawahar Lal Nehru, India's Relations with Major Powers and Neighbouring Countries, Contemporary Issues and Challenges.

Part-IV Educational Psychology

For the competitive examination for the post of Senior Teacher:-

1. The question paper will carry maximum **200 marks**.
2. Duration of question paper will be **Two Hours**.
3. The question paper will carry **100 questions** of multiple choices.
4. Paper shall include following subjects :-
   (i) Knowledge of Secondary and Senior Secondary Standard about relevant subject matter.
   (ii) Knowledge of Graduation Standard about relevant subject matter.
   (iii) Teaching Methods of relevant subject.
5. Negative marking shall be applicable in the evaluation of answers. For every wrong answer one third of the marks prescribed for that particular question shall be deducted.

Code No.: D-899

- प्रकाशक की अनुमति के बिना इस पुस्तक के किसी भी अंश का किसी भी प्रणाली के सहारे पुन:उत्पत्ति का प्रयास अथवा किसी भी तकनीकी तरीके (इलेक्ट्रॉनिक, मैकेनिकल, फॉटोकॉपी, रिकॉर्डिंग, डिजिटल, वेब) के माध्यम से अथवा इस पुस्तक का नाम, टाईटल, चित्र, रेखाचित्र, नक्शे, डिजाईन, कवर डिजाईन, सैटिंग, शिक्षण-सामग्री, विषय-वस्तु, पूर्ण या आंशिक रूप से किसी भी भाषा में हूबहू या तोड़-मरोड़ कर या अदल-बदल कर प्रकाशन या वितरण नहीं किया जा सकता है। इस पुस्तक के प्रतिलिप्याधिकार प्रकाशक के पास सुरक्षित हैं।
- पुस्तक का कम्पोजिंग कार्य कम्प्यूटर द्वारा कराया गया है। पुस्तक के लेखन व प्रकाशन कार्य में लेखक, प्रूफ रीडर, कम्प्यूटर ऑपरेटर एवं प्रकाशक द्वारा पूर्ण सावधानी बरतने के बावजूद भी अधूरी या पुरानी जानकारी का होना/कुछ ग़लतियों/कमियों का रह जाना मानवीय भूलवंश सम्भव है, जिसके लिए पुस्तक प्रकाशन से जुड़े मुद्रक, लेखक एवं प्रकाशक उत्तरदायी नहीं होंगे। पाठकों के सुझाव सादर आमंत्रित हैं।
- सभी विवादों का न्यायक्षेत्र जयपुर (राज.) होगा।

अनुक्रमणिका

अध्याय नं. अध्याय का नाम ..... पृष्ठ संख्या

❖ ग्रेड-2nd शिक्षक भर्ती परीक्षा 11 सितम्बर, 2025 का
प्रश्न-पत्र सम्पूर्ण हल एवं व्याख्या सहित P-1–P-10

राजस्थान का भौगोलिक [Geographical of Rajasthan] 1–132

1 राजस्थान की स्थिति, विस्तार एवं भौगोलिक स्वरूप
[Location, Extent & Geographical Features of Rajasthan] 1
2 राजस्थान की जलवायु [Climate of Rajasthan] 14
3 राजस्थान का अपवाह तंत्र [Drainage System of Rajasthan] 23
4 राजस्थान में प्राकृतिक वनस्पति [Natural Vegetation in Rajasthan] 41
5 कृषि परिदृश्य [Agricultural Landscape] 51
6 राजस्थान का पशुधन एवं डेयरी विकास
[Livestock and Dairy Development of Rajasthan] 72
7 राजस्थान की जनसांख्यिकीय विशेषताएँ
[Demographic Features of Rajasthan] 83
8 राजस्थान की जनजातियाँ [Tribes of Rajasthan] 96
9 उद्योग [Industries] 104
10 राजस्थान में पर्यटन एवं प्रमुख पर्यटन केन्द्र
[Tourism & Major Tourist Destinations in Rajasthan] 119

राजस्थान का ऐतिहासिक [Historical of Rajasthan] 133–266

1 राजस्थान की प्राचीन संस्कृति और सभ्यताएँ (स्थल और उनका महत्त्व) [Ancient Culture & Civilizations of Rajasthan (Sites and their Importance)] 133
2 राजस्थान के राजपूत राजवंश [Rajput Dynasties of Rajasthan] 141
3 दिल्ली सल्तनत के साथ संबंध-मेवाड़, रणथंभौर एवं जालोर
[Relations with the Delhi Sultanate - Mewar, Ranthambore & Jalore] 178
4 राजस्थान और मुगल-मेवाड़, मारवाड़, आमेर और बीकानेर
(सांगा, प्रताप, आमेर का मानसिंह, चन्द्रसेन, बीकानेर का राय सिंह, मेवाड़ का राज सिंह के विशेष संदर्भ में)
[Rajasthan & Mughals–Mewar, Marwar, Amer & Bikaner] 185
(With Special Reference to Sanga, Pratap, Mansingh of Amer, Chandrasen, Rai Singh of Bikaner, Raj Singh of Mewar)

अध्याय नं. अध्याय का नाम ..... पृष्ठ संख्या

5 राजस्थान : 1857 की क्रान्ति [Rajasthan : The Revolution of 1857] 202
6 राजस्थान में राजनीतिक जागृति [Political Awakening in Rajasthan] 211
7 राजस्थान : प्रजामण्डल आन्दोलन [Rajasthan : Praja Mandal Movement] 224
8 राजस्थान : किसान एवं आदिवासी आन्दोलन
[Rajasthan : Peasants & Tribal Movements] 248
9 राजस्थान का एकीकरण [Integration of Rajasthan] 258

राजस्थान का सांस्कृतिक [Cultural of Rajasthan] 267–438

1 लोक देवता एवं देवियाँ [Lok Devta and Devian] 267
2 राजस्थान के संत [Saints of Rajasthan] 279
3 स्थापत्य कला : मंदिर, दुर्ग, महल एवं स्मारक
[Architecture : Temples, Forts, Palaces and Monuments] 289
4 चित्रकलाएँ : विभिन्न शैलियाँ [Paintings : Various Schools] 334
5 मेले एवं त्योहार [Fairs and Festivals] 348
6 रीति-रिवाज, वेशभूषा, आभूषण एवं हस्तशिल्प
[Customs, Dresses, Ornaments and Handicrafts] 361
7 लोक संगीत, नृत्य एवं नाट्यकला
[Folk Music, Dance and Performing Art] 384
8 भाषा और साहित्य [Language and Literature] 406
9 राजस्थान की प्रमुख हस्तियाँ [Leading Personalities of Rajasthan] 425

राजस्थान की राजनीतिक एवं प्रशासनिक व्यवस्था
[Political & Administrative System of Rajasthan] 439–564

1 राज्यपाल [Governor] 439
2 मुख्यमंत्री एवं मंत्रिपरिषद [Chief Minister & Council of Ministers] 452
3 राज्य विधान मण्डल [State Legislature] 461
4 राजस्थान उच्च न्यायालय [Rajasthan High Court] 479
5 अधीनस्थ न्यायालय [Subordinate Courts] 486
6 पंचायतीराज व्यवस्था एवं प्रशासन
[Panchayati Raj System & Administration] 490
7 नगरीय स्थानीय शासन [Urban Local Government] 503

अध्याय नं. अध्याय का नाम ..... पृष्ठ संख्या

8 राज्य सचिवालय [State Secretariat] 514
9 संभागीय आयुक्त [Divisional Commissioner] 520
10 जिला प्रशासन [District Administration] 523
11 राजस्थान लोक सेवा आयोग [Rajasthan Public Service Commission] 531
12 राज्य महिला आयोग [State Women Commission] 538
13 राजस्थान राज्य वित्त आयोग [Rajasthan State Finance Commission] 544
14 राजस्थान राज्य निर्वाचन आयोग [Rajasthan State Election Commission] 546
15 लोकायुक्त [Lokayukta] 551
16 राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण [Rajasthan State Legal Services Authority] 557

विश्व का सामान्य ज्ञान [General Knowledge of World] 565–660

1 महाद्वीप [Continents] 565
2 महासागर एवं उनकी विशेषताएँ [Oceans and their Characteristics] 602
3 वैश्विक पवन प्रणाली [Global Wind System] 614
4 पर्यावरणीय मुद्दे एवं रणनीतियाँ [Environmental Issues & Strategies] 626
5 मानव के प्रमुख व्यवसाय [Principle Human Occupation] 637
6 जनसंख्या वितरण [Population Distribution] 644
7 प्रवास [Migration] 656

भारत का सामान्य ज्ञान [General Knowledge of India] 661–730

1 भारत का भौतिक स्वरूप एवं विशेषताएँ [Physical Features and Characteristics of India] 661
2 भारत : जलवायु तंत्र [India : Climate System] 681
3 भारत : अपवाह प्रणाली [India : Drainage System] 693
4 प्राकृतिक वनस्पति एवं जैव विविधता [Natural Vegetation & Biodiversity] 708
5 भारत : ऊर्जा संसाधन [India : Energy Resource] 720

भारतीय अर्थव्यवस्था [Indian Economy] 731–772

1 कृषि क्षेत्र में वृद्धि एवं विकास [Growth & Development in the Agricultural Sector] 731

अध्याय नं. अध्याय का नाम ..... पृष्ठ संख्या

2 भारत में उद्योग एवं सेवा क्षेत्र [Industry and Service Sector in India] 744

3 भारत का विदेश व्यापार : प्रवृत्तियाँ, संरचना एवं दिशा
[Foreign Trade of India : Trends, Composition & Direction] 760

भारत का संविधान और विदेशी नीति
[Constitution of India and Foreign Policy] 773–912

1 भारत का संवैधानिक विकास [Constitutional Development of India] 773

2 संविधान सभा और बी.आर. अंबेडकर का योगदान
[The Constituent Assembly and B.R. Ambedkar's Contribution] 785

3 नागरिकता [Citizenship] 802

4 मूल अधिकार [Fundamental Rights] 806

5 राज्य के नीति निदेशक तत्व [Directive Principles of State Policy] 818

6 मूल कर्त्तव्य [Fundamental Duties] 822

7 भारत का राष्ट्रपति [President of India] 824

8 भारत का उपराष्ट्रपति [Vice President of India] 837

9 प्रधानमंत्री एवं मंत्रिपरिषद् [Prime Minister & Council of Ministers] 841

10 संसद [Parliament] 850

11 उच्चतम न्यायालय - संगठन एवं शक्तियाँ
[Supreme Court – Organization and Powers] 869

12 निर्वाचन आयोग [Elections Commission] 878

13 भारत की विदेश नीति के सिद्धान्त और इसके निर्माण में नेहरू जी का योगदान
[Principles of India's Foreign Policy & Nehru's Contribution to its Formulation] 885

14 भारत के प्रमुख शक्तियों एवं पड़ौसी देशों के साथ संबंध, समकालीन मुद्दे एवं चुनौतियाँ
[India's Relations with Major Powers and Neighbouring Countries, Contemporary Issues & Challenges] 898

विज्ञप्ति 2024

परीक्षा 11 सितम्बर, 2025 को आयोजित

वरिष्ठ अध्यापक (2nd Grade) • सामान्य ज्ञान • अनिवार्य प्रथम प्रश्न-पत्र

1. राजस्थान के कौनसे जिले में 2001-2011 के दौरान जनसंख्या में सर्वाधिक प्रतिशत दशाब्दी अन्तर अंकित किया गया?

(A) बाड़मेर (B) बांसवाड़ा (C) जैसलमेर (D) बीकानेर **[A]**

व्याख्या— जनगणना 2011 के अनुसार, राजस्थान में सर्वाधिक दशकीय जनसंख्या वृद्धि दर (2001-2011) बाड़मेर जिले में 32.5% दर्ज की गई। इसके बाद जैसलमेर (31.8%) का स्थान रहा। इस अवधि में राजस्थान की कुल दशकीय वृद्धि दर 21.3% थी। बाड़मेर में जनसंख्या वृद्धि का यह उच्च प्रतिशत विभिन्न सामाजिक-आर्थिक कारकों का परिणाम है।

राज्य में न्यूनतम दशकीय जनसंख्या वृद्धि दर वाला जिला श्रीगंगानगर (10.0%) है।

जिला	जनसंख्या वृद्धि दर (2001-2011)
बाँसवाड़ा	26.5%
बीकानेर	24.3%

2. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए तथा नीचे दिए गए कूट का उपयोग कर सही उत्तर का चयन कीजिए—

सूची-I (पर्यटन स्थल)	सूची-II (जिला)
(a) गेटोर	(i) उदयपुर
(b) अहार म्यूज़ियम	(ii) चित्तौड़गढ़
(c) मीरा मन्दिर	(iii) जयपुर
(d) कर्ण महल	(iv) बीकानेर

कूट–

(A) (a)-(iv), (b)-(ii), (c)-(iii), (d)-(i)
(B) (a)-(ii), (b)-(iv), (c)-(i), (d)-(iii)
(C) (a)-(iii), (b)-(i), (c)-(ii), (d)-(iv)
(D) (a)-(i), (b)-(ii), (c)-(iii), (d)-(iv) **[C]**

व्याख्या—दिए गए पर्यटन स्थल और जिले सही ढंग से सुमेलित हैं। गेटोर की छतरियाँ जयपुर के पूर्व कछवाहा शासकों का शाही श्मशान घाट है। आहड़ संग्रहालय, जिसे पुरातत्व संग्रहालय भी कहा जाता है, उदयपुर में स्थित है। प्रसिद्ध मीरा मंदिर चित्तौड़गढ़ किले के परिसर में स्थित है। कर्ण महल बीकानेर के जूनागढ़ किले के भीतर निर्मित एक भव्य महल है।

3. जनगणना-2011 के अनुसार, निम्नलिखित में से किन जिलों के युग्म में उनकी कुल जनसंख्या में अनुसूचित जनजाति की जनसंख्या का प्रतिशत सबसे कम था?

(A) चूरू, गंगानगर (B) जोधपुर, पाली
(C) गंगानगर, हनुमानगढ़ (D) बीकानेर, नागौर **[D]**

व्याख्या—वर्ष 2011 में राजस्थान में अनुसूचित जनजाति (ST) की जनसंख्या **92.38** लाख है जो राज्य की कुल जनसंख्या का **13.48%** है। राज्य की कुल ग्रामीण जनसंख्या में ST का प्रतिशत 16.88% एवं शहरी जनसंख्या में ST प्रतिशत 3.2% है।

सर्वाधिक एवं न्यूनतम ST जनसंख्या वाले 5 जिले

रैंक	जिला	सर्वाधिक जनसंख्या	जिला	न्यूनतम जनसंख्या
1.	उदयपुर	1525289	बीकानेर	7779
2.	बाँसवाड़ा	1372999	नागौर	10418
3.	डूँगरपुर	983437	चूरू	11245
4.	प्रतापगढ़	550427	श्रीगंगानगर	13477
5.	जयपुर	527966	हनुमानगढ़	14289

सर्वाधिक एवं न्यूनतम ST जनसंख्या प्रतिशत वाले 5 जिले

रैंक	जिला	सर्वाधिक जनसंख्या %	जिला	न्यूनतम जनसंख्या %
1.	बाँसवाड़ा	76.38	बीकानेर	0.33
2.	डूँगरपुर	70.82	नागौर	0.31
3.	प्रतापगढ़	63.42	चूरू	0.55
4.	उदयपुर	49.71	श्रीगंगानगर	0.68
5.	सिरोही	28.22	हनुमानगढ़	0.81

4. राजस्थान में मसाला पार्क अवस्थित हैं—

(A) विशनोदा तथा सीतापुरा में
(B) नीमराना तथा भिवाड़ी में
(C) कूकस तथा खारा में
(D) मथानिया तथा रामगंज मण्डी में **[D]**

व्याख्या—राजस्थान में कृषि-निर्यात को बढ़ावा देने के लिए मसाला पार्कों की स्थापना की गई है। राज्य का पहला मसाला पार्क जोधपुर के मथानिया में स्थापित किया गया था, जो मुख्य रूप से जीरा और धनिया के लिए प्रसिद्ध है। दूसरा मसाला पार्क कोटा जिले की रामगंज मंडी में स्थापित किया गया है, जो धनिया और मेथी के व्यापार के लिए जाना जाता है।

5. राजस्थान मानसून रिपोर्ट 2024 के अनुसार, जिलेवार सर्वाधिक वर्षा (सामान्य से अधिक) निम्नलिखित में से किस जिले में देखी गई है?

(A) दौसा और सवाई माधोपुर
(B) करौली और धौलपुर
(C) बांसवाड़ा और सवाई माधोपुर
(D) दौसा और प्रतापगढ़ **[A]**

व्याख्या—राजस्थान मानसून रिपोर्ट 2024 के अनुसार, दौसा और सवाई माधोपुर जिलों में सामान्य से अधिक वर्षा दर्ज की गई। दौसा जिले में 1409.4mm एवं सवाई माधोपुर जिले में 1285.6 mm वर्षा हुई। मानसून के इस पैटर्न ने इन क्षेत्रों में जल संसाधनों की स्थिति में सुधार किया। यह रिपोर्ट राज्य के विभिन्न हिस्सों में वर्षा के असमान वितरण को दर्शाती है।

व्याख्या—भारत सरकार अधिनियम, 1935 ने ब्रिटिश भारत के ग्यारह प्रांतों में से छह प्रांतों में द्विसदनीय विधानमंडल की व्यवस्था लागू की। इन छह प्रांतों में बंगाल, बॉम्बे, मद्रास, बिहार, असम और संयुक्त प्रांत (United Provinces) शामिल थे। इन प्रांतों में एक विधानसभा (निम्न सदन) और एक विधान परिषद (उच्च सदन) की स्थापना की गई।

75. किस राष्ट्रपति के चुनाव में, दूसरी वरीयता के मतों की गणना की गई थी?

(A) ज़ाकिर हुसैन (B) नीलम संजीव रेड्डी
(C) आर. वैंकटरमण (D) वी.वी. गिरि **[D]**

व्याख्या—भारत के राष्ट्रपति चुनावों के इतिहास में केवल एक बार 1969 में दूसरी वरीयता के मतों की गणना की आवश्यकता पड़ी थी। इस चुनाव में, वी.वी. गिरि (स्वतंत्र उम्मीदवार) और नीलम संजीव रेड्डी (कांग्रेस के आधिकारिक उम्मीदवार) के बीच कड़ा मुकाबला था। जब पहले दौर की मतगणना में किसी भी उम्मीदवार को पूर्ण बहुमत नहीं मिला, तो दूसरी वरीयता के मतों की गिनती की गई, जिसके परिणामस्वरूप वी.वी. गिरि विजयी हुए।

भारत के राष्ट्रपति के रूप में वी.वी.गिरि का कार्यकाल 24 अगस्त 1969 से 24 अगस्त 1974 तक रहा।

76. परमाणु हथियारों के निषेध पर सन्धि पर भारत के दृष्टिकोण से संबंधित निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

(I) भारत परमाणु हथियारों के निषेध पर संधि का समर्थन नहीं करता है।
(II) भारत ने परमाणु हथियारों के निषेध पर संधि पर वार्ता में भाग लिया।
(III) भारत का मानना है कि यह संधि प्रथागत अन्तर्राष्ट्रीय कानून के विकास में योगदान नहीं करती है, ना ही यह कोई नया मानक या मानदण्ड निर्धारित करती है।

सही विकल्प चुनिए–

(A) केवल (I) एवं (II) सही हैं।
(B) (I), (II) एवं (III) सही हैं।
(C) केवल (I) एवं (III) सही हैं।
(D) केवल (II) एवं (III) सही हैं। **[C]**

व्याख्या—भारत परमाणु हथियारों के निषेध पर संधि (TPNW) का समर्थन नहीं करता है और न ही उसने इस पर हस्ताक्षर किए हैं। भारत ने इस संधि पर हुई वार्ता में भाग नहीं लिया था। भारत का मानना है कि यह संधि परमाणु अप्रसार संधि (NPT) के ढांचे को कमजोर करती है और प्रथागत अंतरराष्ट्रीय कानून के विकास में कोई योगदान नहीं करती है।

77. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए एवं नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए—

(I) अनुच्छेद 17 एवं 35 (क) (ii) के तहत शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारत की संसद ने अस्पृश्यता (अपराध) अधिनियम 1955 पारित किया।
(II) 'अस्पृश्यता' को सिविल अधिकार संरक्षण अधिनियम, 1976 में परिभाषित किया गया है।

(A) (I) एवं (II) दोनों सही हैं।
(B) केवल (I) सही है।
(C) न तो (I) ना ही (II) सही है।
(D) केवल (II) सही है। **[B]**

व्याख्या—भारतीय संविधान का अनुच्छेद 17 अस्पृश्यता को समाप्त करता है। किसी भी रूप में इसका अभ्यास निषिद्ध है और कानून के अनुसार दंडनीय अपराध है। अनुच्छेद 35(क)(ii) संसद को अस्पृश्यता जैसे कृत्यों के लिए दंड निर्धारित करने हेतु कानून बनाने की शक्ति देता है। इसी शक्ति का प्रयोग करते हुए संसद ने अस्पृश्यता (अपराध) अधिनियम, 1955 पारित किया।

78. निम्नांकित कथनों पर विचार कीजिए—

(i) अब तक, भारत संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में 8 बार निर्वाचित सदस्य रहा है।
(ii) संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में निर्वाचित सदस्य के रूप में भारत का 8वीं बार कार्यकाल 2023-24 में था।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौनसा/से सही है/हैं?

(A) न तो (i) ना ही (ii) सही है।
(B) केवल (ii) सही है।
(C) केवल (i) सही है।
(D) (i) एवं (ii) दोनों सही हैं। **[C]**

व्याख्या—उपरोक्त प्रश्न वर्तमान पाठ्यक्रम में शामिल नहीं है।

79. भारत के संविधान के अनुच्छेद 75(C) से संबंधित निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—

(A) अनुच्छेद 75(C) के अनुसार, मंत्रिपरिषद लोकसभा के प्रति सामूहिक रूप से उत्तरदायी होगी।
(B) अनुच्छेद 75(C) केवल तभी लागू होता है, जब लोकसभा भंग नहीं होती है।

सही उत्तर का चयन कीजिए—

(A) केवल (A) सही है।
(B) (A) एवं (B) दोनों सही हैं।
(C) केवल (B) सही है।
(D) न तो (A) ना ही (B) सही है। **[B]**

व्याख्या—अनुच्छेद 75(3) के अनुसार मंत्रिपरिषद सामूहिक रूप से लोकसभा के प्रति उत्तरदायी होगी। यह संसदीय प्रणाली का आधार है। सामूहिक उत्तरदायित्व का सिद्धांत तभी तक लागू होता है जब तक लोकसभा का अस्तित्व है। लोकसभा के भंग हो जाने पर, मंत्रिपरिषद एक कार्यवाहक सरकार के रूप में कार्य करती है, लेकिन वह सदन के प्रति उत्तरदायी नहीं हो सकती क्योंकि सदन का अस्तित्व ही नहीं होता।

80. 1919 के अधिनियम में प्रांतों में द्वैध शासन से संबंधित असत्य कथन की पहचान कीजिए—

(I) प्रांतों में मंत्री प्रान्तीय विधानमण्डल द्वारा नियुक्त किए जाते थे।
(II) प्रांतों में मंत्री विधानमण्डल के प्रति सामूहिक रूप से उत्तरदायी थे।
(III) प्रांतों में आरक्षित विषयों के संबंध में, गवर्नर मंत्रियों की सलाह से निर्देशित होते थे।
(IV) प्रांतों में वित्तीय शक्ति के अभाव में, मंत्री अपनी नीति को प्रभावी रूप से कार्यान्वित नहीं कर सकते थे।

सही विकल्प चुनिए—

(A) केवल (I), (II) एवं (III) (B) (I), (II), (III) एवं (IV)
(C) केवल (III) एवं (IV) (D) केवल (I) एवं (II) **[A]**

व्याख्या—1919 के अधिनियम द्वारा प्रांतों में लागू द्वैध शासन के संबंध में कथन I, II, और III असत्य हैं। मंत्रियों की नियुक्ति गवर्नर द्वारा विधानमंडल के निर्वाचित सदस्यों में से की जाती थी, मंत्री व्यक्तिगत रूप से गवर्नर के प्रति उत्तरदायी थे। आरक्षित विषयों पर गवर्नर अपनी कार्यकारी परिषद की सलाह से कार्य करता था, वित्त विभाग आरक्षित विषय होने के कारण मंत्रियों के पास वित्तीय शक्तियों का अभाव था।

राजस्थान का भौगोलिक
[Geographical of Rajasthan]

1 राजस्थान की स्थिति, विस्तार एवं भौगोलिक स्वरूप
[Location, Extent & Geographical Features of Rajasthan]

उत्पत्ति

- 13.5 करोड़ वर्ष पहले, मध्यजीव महाकल्प की शुरुआत में, पृथ्वी के सभी महाद्वीप एक ही विशाल भू-भाग के रूप में जुड़े हुए थे, जिसे **'पैंजिया'** कहा जाता था। इस पैंजिया का दक्षिणी हिस्सा गोंडवाना भूमि कहलाता था, और इसके उत्तर में अंगारा भूमि स्थित थी।
- वेगनर के महाद्वीपीय विस्थापन सिद्धांत के अनुसार, जब पैंजिया टूटा तो इसके दक्षिणी भाग, यानी गोंडवाना भूमि, से आज के प्रायद्वीपीय भारत, अफ्रीका, दक्षिणी अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और अण्टार्कटिका जैसे भूखंडों का निर्माण हुआ।
- संवहनीय धाराओं के प्रभाव से पृथ्वी की ऊपरी परत कई टुकड़ों में बँट गई। इसी प्रक्रिया में भारत-ऑस्ट्रेलिया प्लेट गोंडवाना भूमि से अलग होकर उत्तर की ओर बढ़ने लगी।
- उत्तर की ओर बढ़ते हुए यह प्लेट अपने से बड़ी यूरेशियाई प्लेट से टकरा गई। इस टकराव के कारण दोनों प्लेटों के बीच स्थित 'टेथिस सागर' की तलछटी चट्टानों में मोड़ पड़ गए, जिससे हिमालय, अरावली और पश्चिम एशिया की पर्वत शृंखलाएँ विकसित हुईं।
- जब **'टेथिस सागर'** हिमालय के रूप में ऊपर उठा, तो प्रायद्वीपीय पठार का उत्तरी सिरा नीचे की ओर धँस गया, जिससे एक बड़ी द्रोणी (बेसिन) बन गई। समय के साथ, उत्तर के पहाड़ों और दक्षिण के पठारों से बहने वाली नदियों द्वारा लाए गए अवसादों से यह द्रोणी धीरे-धीरे भर गई। जलोढ़ मिट्टी के इसी जमाव से भारत के विशाल उत्तरी मैदान का निर्माण हुआ।
- राजस्थान विश्व के सबसे पुराने भूखंडों का हिस्सा है। प्राक्-ऐतिहासिक काल में, यह क्षेत्र दो हिस्सों में बँटा था—अंगारालैंड और गोंडवाना लैंड, जिनके बीच टेथिस महासागर था। राजस्थान का अधिकांश पश्चिमी और उत्तरी-पूर्वी हिस्सा टेथिस सागर का अवशेष माना जाता है। वहीं, अरावली पर्वतीय प्रदेश और दक्षिण-पूर्वी पठारी भाग गोंडवाना लैंड के हिस्से हैं।
- राजस्थान में सांभर, डीडवाना और पंचपदरा जैसी खारे पानी की झीलें टेथिस सागर के अवशेष के रूप में आज भी मौजूद हैं। इसके अलावा, जिप्सम, लाइमस्टोन, लिग्नाइट कोयला, तेल और प्राकृतिक गैस जैसे समुद्री खनिज भी इसी का प्रमाण हैं।

राजस्थान का आकार, स्थिति और विस्तार

- विश्व पटल पर राज्य की स्थिति उत्तर-पूर्व दिशा (ईशान कोण) में एशिया महाद्वीप में राज्य की स्थिति दक्षिण-पश्चिम दिशा (नैऋत्य कोण) में तथा भारत में राज्य की स्थिति उत्तर-पश्चिम दिशा (वायव्य कोण) में है।
- **आकार**—राज्य की आकृति विषमकोणीय चतुर्भुज (Rhombus) या पतंगाकार है।
  - यह 23°03 से 30°12 उत्तरी अक्षांशों और 69°30 से 78°17 पूर्वी देशांतरों के बीच फैला है।
- **भौगोलिक विस्तार**—राजस्थान का विस्तार 7°09' अक्षांशों और 8°47' देशांतरों के बीच है, जिससे इसका देशांतरीय विस्तार अधिक है।
- **कर्क रेखा**—
  - कर्क रेखा (23½° उत्तरी अक्षांश) राज्य के दक्षिण भाग (बाँसवाड़ा और डूँगरपुर जिलों) से होकर गुजरती है।
  - राजस्थान में कर्क रेखा की कुल लंबाई 26 किलोमीटर है, जिसमें बाँसवाड़ा जिले में यह सर्वाधिक फैली हुई है।
  - यह कुशलगढ़ (बाँसवाड़ा) और चिखली गाँव (डूँगरपुर) के पास से गुजरती है। कर्क रेखा के सर्वाधिक नजदीक शहर **कुशलगढ़** (बाँसवाड़ा) तथा सर्वाधिक दूर शहर गंगानगर है।

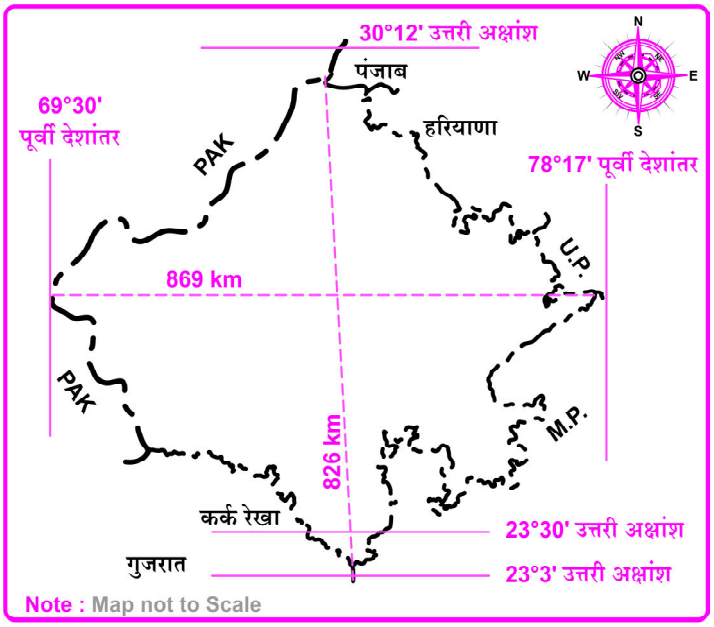

मानचित्रः राजस्थान स्थिति एवं विस्तार

राजस्थान का क्षेत्रीय विस्तार और भौगोलिक विशेषताएँ

राज्य का क्षेत्रफल और विस्तार

- राजस्थान का क्षेत्रफल 3,42,239 वर्ग किलोमीटर (1,32,140 वर्ग मील) है, जो भारत के कुल क्षेत्रफल का 10.41% है।
- क्षेत्रफल की दृष्टि से यह भारत का सबसे बड़ा राज्य है।
- **क्षेत्रफल की दृष्टि से राज्य के 5 बड़े जिले**

जैसलमेर	:	38401 वर्ग किमी.
बीकानेर	:	30239 वर्ग किमी.
बाड़मेर	:	28387 वर्ग किमी.
जोधपुर	:	22850 वर्ग किमी.
नागौर	:	17718 वर्ग किमी.

- **क्षेत्रफल की दृष्टि से राज्य के 5 सबसे छोटे जिले**

धौलपुर	:	3034 वर्ग किमी.
दौसा	:	3432 वर्ग किमी.

उत्तर-पूर्व, पश्चिम और दक्षिण-पश्चिम से शुष्क हवाएँ चलती हैं।

❖ **'पश्चिमी विक्षोभ'** के प्रभाव से **दिसम्बर-जनवरी** में होने वाली वर्षा से सर्दी अचानक बढ़ जाती है।

❖ ग्रीष्म ऋतु में पश्चिम से चलने वाली गर्म, शुष्क और तेज हवाओं से **'लू'** का प्रकोप बढ़ता है, जिससे मिट्टी का कटाव होता है और मरुस्थलीकरण में वृद्धि होती है।

जलवायु प्रदेश

❖ तापमान व वर्षा के आधार पर राजस्थान को **पाँच मुख्य** जलवायु प्रदेशों में **बाँटा** जा सकता है—

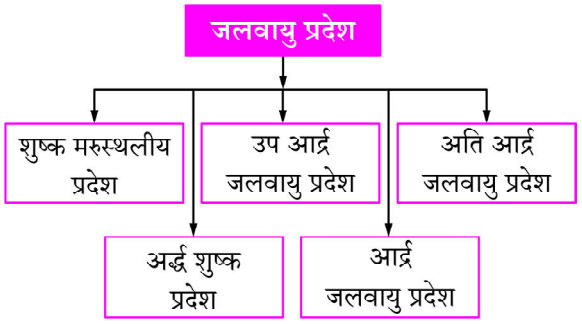

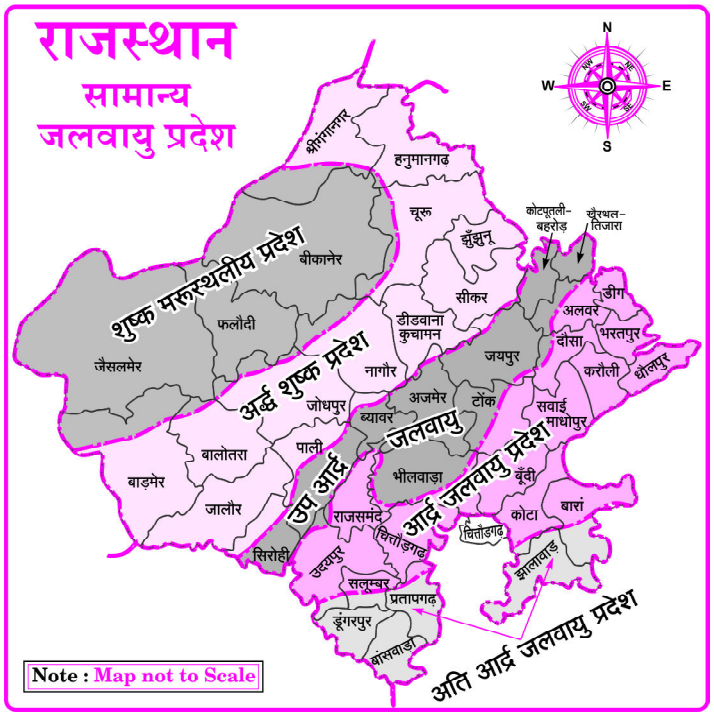

शुष्क प्रदेश

❖ इसे मरुस्थलीय प्रदेश भी कहते हैं। इस प्रदेश में शुष्क व उष्ण जलवायु दशाएँ पाई जाती हैं।

क्षेत्र

❖ इस प्रकार की जलवायु **जैसलमेर, बाड़मेर, बीकानेर, फलौदी, उत्तर-पश्चिमी जोधपुर, पश्चिमी नागौर, पश्चिमी चूरू, दक्षिणी गंगानगर** में पाई जाती है।

तापमान एवं वर्षा

❖ यहाँ ग्रीष्मकाल में 45° से. से 49° सेन्टीग्रेड तक अधिकतम तापमान हो जाता है तथा शीतकाल में 8° सेन्टीग्रेड से शून्य डिग्री तक न्यूनतम तापमान पहुँच जाता है। यहाँ 25 से.मी. से कम वर्षा होती है।

❖ रेत की अधिकता के कारण ग्रीष्म ऋतु में धूल भरी आंधियाँ चलना आम है। अधिक दैनिक व वार्षिक तापान्तर यहाँ की विशेषता है।

वनस्पति

❖ यहाँ मरुद्भिद कंटीली वनस्पति तथा बालुकास्तूप पाये जाते हैं। पश्चिम राजस्थान में एन्टीसोल्स मृदा की प्रधानता है।

अर्द्ध-शुष्क प्रदेश

❖ अरावली के पश्चिम एवं शुष्क जलवायु प्रदेश के मध्य यह प्रदेश फैला है।

क्षेत्र

❖ इस प्रकार की जलवायु श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, चूरू, **झुंझुनूं**, सीकर, डीडवाना-कुचामन, नागौर, जोधपुर, उत्तरी ब्यावर, पाली, उत्तरी सिरोही, जालौर, बालोतरा एवं द. पूर्वी बाड़मेर में पाई जाती है।

तापमान एवं वर्षा

❖ यहाँ 25 से 45 से.मी. तक वार्षिक वर्षा होती है। गर्मियों में तापमान 36° से 42° सेन्टीग्रेड और शीतकाल का 10° से 17° सेन्टीग्रेड रहता है।

वनस्पति

❖ यहाँ की मुख्य वनस्पति खेजड़ी, बबूल, रोहिड़ा, ओक, धोक, खींप, कंटीली झाड़ियाँ, सेवण, धामण, लावण घास आदि है।

उपआर्द्र जलवायु प्रदेश

क्षेत्र

❖ इसके अन्तर्गत जयपुर, खैरथल-तिजारा, कोटपूतली-बहरोड़, अलवर, ब्यावर, अजमेर, भीलवाड़ा, सिरोही, दौसा, टोंक एवं पाली का दक्षिणी-पूर्वी भाग सम्मिलित है।

तापमान एवं वर्षा

❖ इस प्रदेश में वार्षिक औसत 40 से 60 सेन्टीमीटर के मध्य वर्षा होती है। ग्रीष्म ऋतु का औसत तापमान 28° से 36° से. तथा शीत ऋतु का औसत तापमान 12° से 18° से. रहता है।

मृदा

❖ इस क्षेत्र में जलोढ़ मृदा पायी जाती है।

वनस्पति

❖ यहाँ की मुख्य वनस्पति आँवला, बहड, खेरी, नीम, आम, हरड़ आदि है तथा बाजरा, गेहूँ, सरसो, चना, मूँगफली, जौ आदि की कृषि की जाती है।

आर्द्र जलवायु प्रदेश

क्षेत्र

❖ **भरतपुर, धौलपुर, सवाई माधोपुर, उदयपुर, डीग, उ. सलूम्बर, करौली, कोटा, बारां, बूँदी, राजसमन्द, चित्तौड़गढ़** एवं **प्रतापगढ़** जिले का उत्तरी भाग इस प्रदेश में सम्मिलित हैं।

तापमान एवं वर्षा

❖ इस प्रदेश में 50 से 75 सेन्टीमीटर तक वर्षा होती है। ग्रीष्मकालीन तापमान 32° से 34° से. तथा शीतकालीन तापमान 12° से 18° से. रहते हैं।

वनस्पति

❖ इस प्रदेश में पतझड़ वनस्पति पायी जाती है। जिसमें बेर, नीम, आम, शीशम, बबूल, शहतूत, गूगल, जामुन आदि वृक्ष शामिल है।

राजस्थान के प्रमुख पर्यटन स्थल

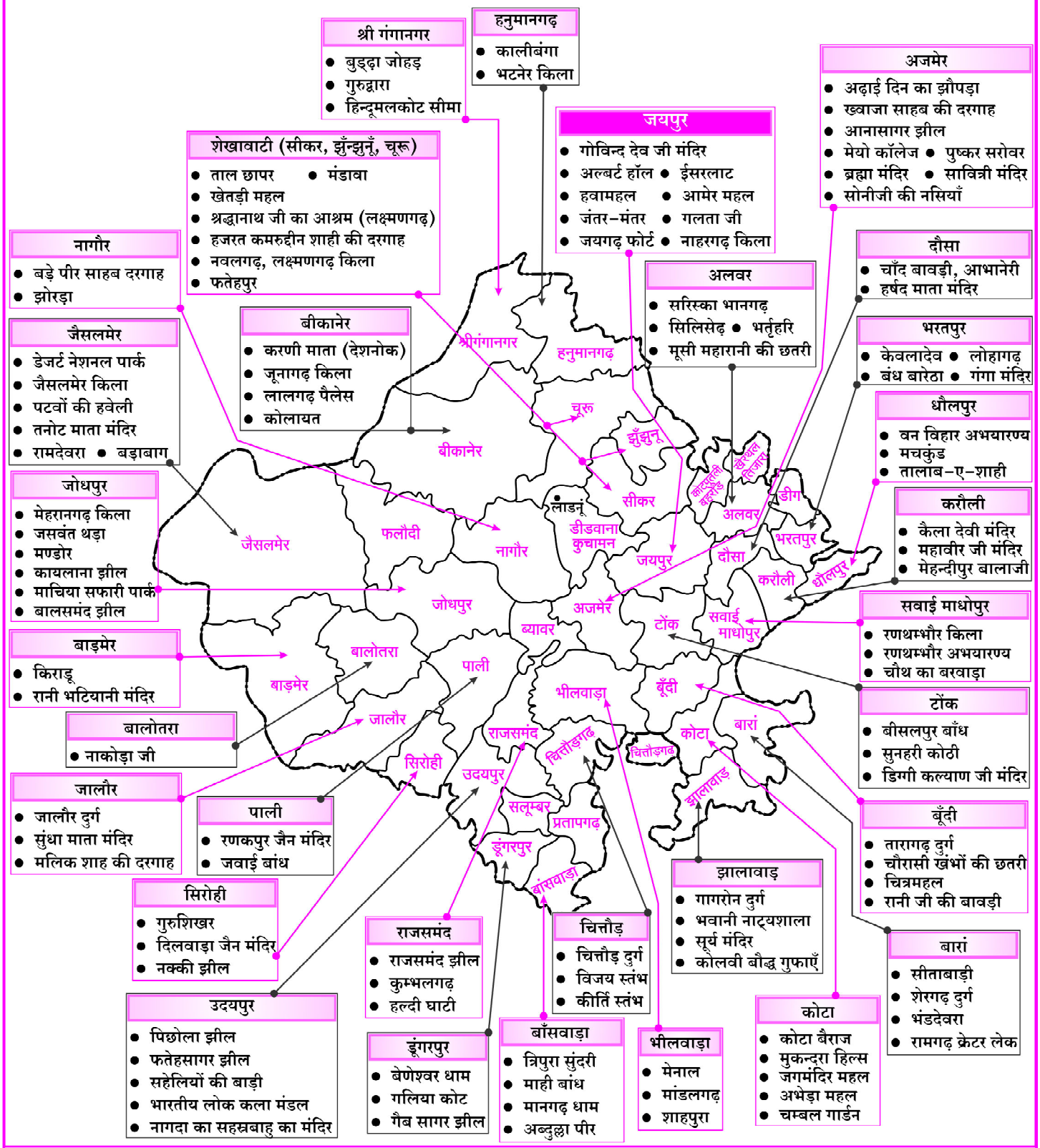

नोट:- बुद्धा सर्किट : दक्षिण एवं दक्षिण-पूर्वी एशियाई देशों के बौद्ध पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए कोटपूतली-बहरोड़ एवं झालावाड़ जिलों में स्थित बैराठ (विराटनगर) एवं कोलवी-डग गुफाएँ (झालावाड़) को बुद्धा सर्किट के तौर पर विकसित किया गया है।

राजस्थान का ऐतिहासिक
[Historical of Rajasthan]

1 राजस्थान की प्राचीन संस्कृति और सभ्यताएँ (स्थल और उनका महत्त्व)
[Ancient Culture & Civilizations of Rajasthan (Sites and their Importance)]

कालीबंगा सभ्यता

- प्राचीन **दृषद्वती** और **सरस्वती नदी** घाटी (वर्तमान में घग्घर नदी का क्षेत्र) क्षेत्र में हड़प्पा सभ्यता से भी प्राचीन कालीबंगा की सभ्यता विकसित हुई।
- राजस्थान के **हनुमानगढ़** जिले में जिला मुख्यालय से दक्षिण-पश्चिम दिशा में स्थित यह सभ्यता, आज से चार हजार वर्ष से भी अधिक प्राचीन मानी जाती है।
- इस सभ्यता की पहली व्यवस्थित जानकारी इटली के विद्वान **डॉ. एल.पी. टेसीटोरी** ने दी थी।
- सर्वप्रथम **1952 ई. में अमलानन्द घोष** ने इसकी खोज की और तत्पश्चात् **1961-69 ई.** में **बी.बी. लाल, बी.के. थापर, जे.वी. जोशी, एम.डी. खरे, एम.पी. जैन एवं के.एम. श्रीवास्तव** द्वारा यहाँ उत्खनन कार्य करवाया गया।
- उत्खनन में इस सभ्यता के **पाँच स्तर** सामने आये हैं, प्रथम दो स्तर तो हड़प्पा सभ्यता से भी प्राचीन है, वहीं तीसरे, चौथे व पाँचवे स्तर की सामग्री हड़प्पा सभ्यता की सामग्री के समान और समकालीन है।
- उत्खनन के आधार पर कालीबंगा की सभ्यता को दो भागों में बांटा गया है—
  (i) पूर्व हड़प्पाकालीन सभ्यता (2400 ई.पू. से 2250 ई.पू.)
  (ii) हड़प्पाकालीन सभ्यता (2250 ई.पू. से 1700 ई.पू.)
- इस स्थल का कालीबंगा नाम यहाँ से खुदाई के दौरान प्राप्त काली चूड़ियों के कारण पड़ा है, क्योंकि पंजाबी भाषा में बंगा का अर्थ चूड़ी होता है।
- कालीबंगा सुव्यवस्थित नगर योजना के अनुसार बसा हुआ था। पाँच से साढ़े पाँच मीटर तक चौड़ी एवं समकोण पर काटती सड़कें (ऑक्सफोर्ड या जाल पद्धति), सड़कों के किनारे पक्की ईंटों से बनी नालियाँ आदि इसके विकास की परिचायक थी।
- कालीबंगा स्वतंत्र भारत का दूसरा पुरातात्विक स्थल है जिसका स्वतंत्रता के बाद उत्खनन किया गया। (पहला—रोपड़)
- कालीबंगा के उत्खनन से दो टीले मिले है। एक पश्चिम की ओर ऊंचे व छोटे टीले पर दुर्ग बना हुआ है वही दूसरे कम ऊंचे लेकिन बड़े टीले पर नगर बसा हुआ है।
- कालीबंगा के पश्चिमी टीले को **कालीबंगा प्रथम** नाम दिया गया है।
- दोनो टीलों (बस्तियों) को अलग-अलग सुरक्षात्मक कच्ची मिट्टी की ईंटों से बनी दीवार (दोहरा परकोटा) से सुरक्षित किया गया था।

नोट—कालीबंगा से ईंट पकाने के भट्टे के अवशेष नहीं मिले है।

- यहां के मकान मिट्टी की कच्ची ईंटों से बने थे, जिन्हें धूप में पकाकर प्रयुक्त किया जाता था। जिन पर गारे का पलस्तर किया जाता था। मकानों की छत लकड़ी की बल्लियों पर मिट्टी का लेप करके बनाई जाती थी।
- कालीबंगा में नालियों एवं कुओं में पक्की ईंटों के अवशेष मिलते है। एक जगह फर्श में अलंकृत एवं सजावटी ईंटें भी मिली है।
- कालीबंगा से प्राप्त मकानों के दरवाजे मुख्य सड़क की ओर न खुलकर पीछे की ओर अंदर की ओर छोटी गलियों में खुलते थे।
- यहां के मकानों में दरारें पड़ी मिली है, जिन्हें भूकम्प के प्राचीनतम प्रमाण (साक्ष्य) माना गया है।
- विश्व में सर्वप्रथम लकड़ी की नाली के अवशेष कालीबंगा से प्राप्त हुए है।
- कालीबंगा से परकोटे के बाहर दक्षिण-पूर्व दिशा में हल से जुते हुए खेत के साक्ष्य मिले है, जो 4000-3000 ई. पू. के अनुमानित किए गए है। ऐसा अनुमान है कि यहां के लोग एक ही खेत पर दो फसलें उगाते थे। क्योंकि खेत में ग्रिड पैटर्न की गई है और ये एक-दूसरे के समकोण पर बने हुए है।
- वैदिक साहित्य में वर्णित **'बहुधान्यदायक प्रदेश'** कदाचित कालीबंगा ही था।
- कालीबंगा में गेहूं, जौ, कपास, चना, सरसों आदि की खेती होती थी।
- कालीबंगा वासी पशुपालन का कार्य भी करते थे। यहाँ से ऊँट की अस्थियाँ एवं पालतू कुत्ते के साक्ष्य मिले हैं।
- कालीबंगा से मिले कब्रिस्तान से यहाँ के निवासियों की शवाधान पद्धतियों की जानकारी मिलती है। शवों की अंत्येष्टि की तीन विधियों – पूर्ण समाधिकरण, आंशिक समाधिकरण एवं दाहकर्म के प्रमाण मिले हैं।
- यहाँ से एक **युगल शवाधान** तथा **अण्डाकार कब्रें** भी प्राप्त हुई हैं साथ ही एक **बच्चे के कंकाल की खोपड़ी** में छः छिद्र मिले हैं, जिसे मस्तिष्क शोध बीमारी के इलाज का प्रमाण माना जाता है।
- कालीबंगा उत्खनन की एक महत्त्वपूर्ण उपलब्धि यह भी है कि इसने सैन्धव लिपि की पहचान करने के प्रयास को एक दिशा प्रदान की है।
- यहाँ से प्राप्त एक सैन्धव लिपि युक्त मृदपात्र (मिट्टी का बर्तन) पर लिपि की ओर लैपिंग ने यह सिद्ध कर दिया है कि यह लिपि **दाँये** से **बाये** ओर लिखी जाती थी। इसे **कीलाक्षर** या **बुस्ट्रोफेदन लिपि** कहा गया है, जो अभी तक पढ़ी नहीं जा सकी है।
- यहाँ से प्राप्त खिलौना बैलगाड़ी, हवनकुण्ड या अग्निकुण्ड (सात अग्निवेदियों की पंक्ति) व बेलनाकार मुहर का हड़प्पा सभ्यता में अपना विशिष्ट स्थान है। कालीबंगा से प्राप्त बेलनाकार मुहरें मेसोपोटामिया की मुहरों के समान है।
- उत्खनन से प्राप्त मिट्टी के बर्तन एवं उनके अवशेष पतले और हल्के हैं तथा उनमें सुंदरता व सुडौलता का भी अभाव है। बर्तनों का रंग लाल है, जिन पर काली एवं सफेद रंग की रेखाएँ खींची गई हैं।
- बर्तनों पर फूल-पत्तियों के अलंकरण के साथ-साथ मछली, कछुए, बतख एवं हिरन की आकृतियाँ भी चित्रित की जाती थीं। पशु-पक्षियों के स्वरूप वाले खिलौने, मिट्टी की मुहरें, चूड़ियाँ, काँच के मनके, ताँबे की चूड़ियाँ, औजार एवं तौल के बाट भी उत्खनन में मिले हैं।

7. मोतीलाल तेजावत .... ठिकाने में कामदार थे—
[IInd Grade 12.2.2023 (Group B)]
(A) झाडोल (B) बान्सी
(C) सलूम्बर (D) बिजोलिया **[A]**

8. बरड़ का किसान आंदोलन किस भूतपूर्व देशी रियासत से संबंधित है?
[IInd Grade 29.1.2023 (Group C)]
(A) बीकानेर (B) जयपुर
(C) बूँदी (D) कोटा **[C]**

9. मोतीलाल तेजावत का जन्म कहाँ हुआ?
[IInd Grade 29.1.2023 (Group C)]
(A) कोलियारी (B) मातृकुण्डिया
(C) झाड़ोल (D) सलूम्बर **[A]**

10. 'कूदण' की घटना किस किसान आंदोलन से संबंधित है?
[IInd Grade 29.1.2023 (Group D)]
(A) बीकानेर (B) बूँदी
(C) बेगूं (D) सीकर **[D]**

11. 'डाबड़ा काण्ड' किस क्षेत्र के किसानों से सम्बन्धित है—
[IInd Grade 3.7.2019]
(A) अलवर (B) भरतपुर
(C) सीकर (D) जोधपुर **[D]**

12. 'जयपुर राज्य मीणा सुधार समिति' का गठन किस स्थान पर हुआ—
[IInd Grade 3.7.2019]
(A) करौली (B) दौसा
(C) नीमकाथाना (D) खेतड़ी **[C]**

13. 'सम्प सभा' की स्थापना किसने की थी? [IInd Grade 19.2.2019]
(A) गोविन्द गुरु (B) मोतीलाल तेजावत
(C) रामनारायण चौधरी (D) गोपालसिंह खरवा **[A]**

14. रूपाजी और कृपाजी किस किसान आंदोलन में गोलीबारी में मारे गए— [2nd Grade (Paper-I) 30.09.2018]
(A) बिजौलिया (B) नीमूचाणा
(C) दूधवाखारा (D) बेगूँ **[D]**

15. निम्न में से किसके द्वारा बिजोलिया किसान आन्दोलन में भवानी दयाल के नेतृत्व में एक जाँच आयोग नियुक्त किया गया?
(A) अखिल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस
(B) मेवाड़ के महाराणा
(C) राजस्थान सेवा संघ
(D) राजपूताना मध्य भारत सभा **[D]**

16. किस किसान आंदोलन के दौरान जागीरदार व किसानों के मध्य हुए समझौते को 'बोल्शेविक समझौता' कहा जाता है?
(A) बिजौलिया आंदोलन (B) बेगूं आंदोलन
(C) दूधवा खारा आंदोलन (D) अलवर आंदोलन **[B]**

17. बेगूँ किसान आंदोलन का नेतृत्व किसने किया—
(A) रामनारायण चौधरी (B) विजय सिंह पथिक
(C) मोतीलाल पटेल (D) हरिभाऊ उपाध्याय **[A]**

18. राजस्थान में संगठित किसान आन्दोलन कहाँ से आरम्भ हुआ था—
(A) बिजोलिया (B) बेगूँ
(C) अलवर (D) सीकर **[A]**

19. सूची-I और सूची-II को मिलाइए और नीचे दिए गए कूट का उपयोग कर सही उत्तर चुनें :

सूची-I		सूची-II
(a)	नीमूचणा हत्याकांड	i. अलवर
(b)	डाबी घटना	ii. सीकर
(c)	कांगड घटना	iii. बूँदी
(d)	कूदण घटना	iv. बीकानेर

कूट :	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	i	ii	iii	iv
(B)	i	iii	iv	ii
(C)	i	iv	ii	iii
(D)	ii	i	iii	iv **[B]**

20. राजस्थान में किस किसान आंदोलन के दमन को महात्मा गांधी ने 'दूसरी डायरशाही' कहा?
(A) बिजोलिया (B) बेगूँ
(C) नीमूचाणा (D) सीकर **[C]**

21. अलवर के किस शासक के समय नीमूचाणा काण्ड हुआ?
(A) महाराजा फतेह सिंह (B) महाराजा बन्ने सिंह
(C) महाराजा विजय सिंह (D) महाराजा जय सिंह **[D]**

22. 'नीमूचाणा किसान आंदोलन हत्याकाण्ड' राजपूताना की किस रियासत में हुआ था?
(A) अलवर (B) मेवाड़
(C) भरतपुर (D) जैसलमेर **[A]**

23. निम्नलिखित में से कौनसी घटना को महात्मा गाँधी ने 'डायर के कृत्य से दुगनी वीभत्स काण्ड' बताया—
(A) नीमूचाणा घटना, मई 1925 की
(B) चन्द्रावल की घटना, मार्च 1942
(C) डाबड़ा की घटना, मार्च 1947
(D) बरड़ की घटना, जून 1922 **[A]**

राजस्थान का सांस्कृतिक
[Cultural of Rajasthan]

1 लोक देवता एवं देवियाँ [Lok Devta and Devian]

लोक देवता

- राजस्थान के जिन महापुरुषों, वीर योद्धाओं ने त्याग एवं आत्म बलिदान से मातृभूमि की सेवा की तथा अपने व्यक्तित्व और गुणों से क्रांतिकारी वीरता से पूर्ण एवं चमत्कारपूर्ण ढंग से सामाजिक, सांस्कृतिक एवं धार्मिक क्षेत्र में परिवर्तन लाने का कार्य किया, उनको देवत्व का स्थान दिया गया।
- इन्होंने सांप्रदायिकता, अस्पृश्यता और धर्म भेद को मिटाकर सांस्कृतिक एकता के बीज बोये।
- इनके प्रति आस्था के कारण इन्हें लोक देवता का स्वरूप दे दिया और इनकी पूजा-अर्चना एवं मनौती मानने की प्रथा निरंतर चल पड़ी।
- राजस्थान के गोगाजी, पाबूजी, रामदेवजी, मल्लीनाथजी आदि लोकदेव हुए जो अपने देवता स्वरूप गुणों की कीर्ति के कारण इस श्रेणी में आते हैं।
- सामान्यतः राज्य के सभी ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में इनकी प्रतिमाएँ स्थापित हैं, इनके स्थल **'थान'** कहलाते हैं।
- पाबूजी, रामदेवजी, गोगाजी, हरभूजी एवं मेहाजी की गिनती मारवाड़ के पाँच पीरों में होती है। इस संदर्भ में एक दोहा प्रचलित है—

  पाबू, हरभू, रामदे, मांगलिया, मेहा।
  पाँचू पीर पधारज्यो, गोगादे जेहा।।

गोगाजी

गोगाजी

- गोगाजी का नाम राजस्थान के पांच पीरों में बड़ी श्रद्धा से लिया जाता है।
- गोगाजी का जन्म 946 ई. (वि.सं. 1003) में **ददरेवा (चूरू)** में हुआ।
- इनके पिता का नाम **जेवर** (ददरेवा के शासक) और माता का नाम **बाछल** था। गोगाजी का विवाह बुडौजी की पुत्री **केळमदे** से हुआ।
- गोगाजी की सवारी 'नीली घोड़ी' थी। गोगाजी के **गुरु गोरखनाथजी** थे।
- इतिहासकार कर्नल टॉड एवं डॉ. दशरथ शर्मा ने इन्हें महमूद गजनवी का समकालीन माना है। कुछ प्रचलित प्रणाली में गोगाजी को पाबूजी में समकालीन माना है।
- गोगाजी का अपने मौसेरे भाइयों अरजन-सुर्जन के साथ सम्पत्ति का विवाद चल रहा था।
- अरजन-सुर्जन द्वारा मुसलमानों की फौज लाकर गोगाजी की गायों को घेर लेने के कारण इनका गोगाजी के साथ भीषण युद्ध हुआ।
- इसमें अरजन-सुर्जन के साथ गोगाजी भी वीरगति को प्राप्त हुए। इनकी पत्नी मेनल इनके साथ सती हुई। गोगाजी की वीरता का वर्णन कवि मेह ने **'गोगाजी का रसावला'** में किया है। गोगाजी के **'थान' खेजड़ी वृक्ष** के नीचे होते हैं, जहाँ इनका पत्थर पर उत्तीर्ण सर्प मूर्तियुक्त पूजा स्थल प्राय: गाँवों में खेजड़ी के वृक्ष के नीचे होता है।
- गोगाजी का जन्म स्थल ददेरवा **'शीर्ष मेड़ी'** तथा इनका समाधि स्थल **'धुरमेड़ी'** कहलाता है।
- गोगाजी की स्मृति में **गोगामेड़ी (हनुमानगढ़)** एवं समस्त राजस्थान में **भाद्रपद कृष्ण नवमी** गोगानवमी के रूप में मनायी जाती है तथा विशाल मेला लगता है।
- इस दिन गोगाजी की अश्वारोही भाला लिये योद्धा के प्रतीक रूप में अथवा सर्प के प्रतीक रूप में पूजा की जाती है।
- गोगाजी के भक्त **सांकल नृत्य** करते हैं। **शेखावाटी का गोगा नृत्य प्रसिद्ध है।**
- गोगाजी के **गीत छावले (छावली)** के नाम से जाने जाते हैं।
- गोगाजी के फड़ का वाचन भोपों द्वारा **डेरू एवं मादल** वाद्ययंत्रों के साथ किया जाता है।
- गोगानवमी के दिन कुम्हार गोगाजी की हाथ में भाला लिये हुए मिट्टी की अश्वारोही मूर्ति बनाकर किसानों के घर ले जाते हैं। रक्षा बंधन के दिन बांधी गई राखियाँ गोगाजी को अर्पित की जाती हैं।
- मान्यता है कि गोगाजी को **'जाहिर पीर'** कहकर पूजने से सर्प-दंश का विष प्रभावहीन हो जाता है।
- हिंदू 'नागराज' एवं मुस्लिम **'गोगापीर'** के रूप में इनकी पूजा करते हैं। साँचोर में **'गोगाजी की ओल्ड़ी'** नामक स्थान पर गोगाजी का मंदिर है।
- राजस्थान के अतिरिक्त गोगाजी को गुजरात, हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश एवं हिमाचल प्रदेश में भी लोकदेवता के रूप में पूजा जाता है।
- वर्षा शुरू होने पर किसान जिस दिन हल चलाना प्रारम्भ करते हैं, गोगाजी के नाम की राखी जिसे **'गोगा राखड़ी'** कहा जाता है, हल एवं हाली दोनों के बांधी जाती है।

तेजाजी

तेजाजी

- वीर तेजा (जुंझार तेजा) का जन्म **खड़नाल (नागौर)** ग्राम के **ताहड़जी** और **रामकुंवरी** के यहाँ **माघ शुक्ल चतुर्दशी** को 1073 ई. (वि.सं. 1130) में हुआ था।
- जाट वंशीय तेजाजी का विवाह पनेर गाँव (परबतसर के निकट) के रायमलजी की पुत्री **'पेमल'** के साथ हुआ था।
- तेजाजी के **गुरु मंगलनाथ (गुंसाई नाथ)** थे। इन्होंने अस्त्र-शस्त्र की

केशवानन्द ने 1932 ई. में संगरिया में जाट विद्यालय का संचालन सम्भाला और उसे मिडिल स्तर से महाविद्यालय स्तर तक पहुँचाया, जिसमें कला, कृषि, विज्ञान महाविद्यालय के अतिरिक्त शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय, संग्रहालय एवं ग्रामोत्थान विद्यापीठ बनाया। इन्होंने 1944 से 1956 ई. तक बीकानेर के रेगिस्तानी गाँवों में लगभग 300 पाठशालाएँ खुलवाई तथा अनेक स्थानों पर चलते-फिरते वाचनालय व पुस्तकालय स्थापित किये।

कृपालसिंह शेखावत

- 'शिल्पगुरु' कृपालसिंह शेखावत का जन्म सीकर जिले के मऊ ग्राम में 1922 ई. में हुआ। इन्होंने **'ब्लू पॉटरी'** पर चित्रांकनों के माध्यम से अन्तर्राष्ट्रीय पहचान बनाई। 1974 ई. में इन्हें **'पद्मश्री'** से भी सम्मानित किया गया।

गोविन्द गुरु

- वागड़ क्षेत्र (डूंगरपुर, बांसवाड़ा) में गोविन्द गुरु ने भीलों के सामाजिक एवं नैतिक उत्थान के लिए अथक प्रयास किए। वे महान समाज सुधारक थे।
- इनका जन्म **20 दिसम्बर, 1858** डूंगरपूर राज्य के **बांसिया गांव** में हुआ था। **1880** में स्वामी दयानन्द सरस्वती जब उदयपुर आए, गोविन्द गुरु उनके विचारों से प्रभावित हुए और इन्होंने भील समाज में सुधार एवं जन जागृति का महत्त्वपूर्ण कार्य शुरू किया।
- भीलों को सामाजिक दृष्टि से संगठित करने एवं मुख्य धारा में लाने के लिए **'सम्प सभा'** की स्थापना की।
- इसके साथ ही भीलों का हिन्दू धर्म के दायरे में रखने के लिए **'भगत पंथ'** की स्थापना की।
- गोविन्द गुरु ने सम्प सभा के माध्यम से ईडर, डूंगरपुर, बांसवाड़ा व गुजरात में भीलों में सामाजिक जागृति का संचार किया।

मोतीलाल तेजावत

- **'आदिवासियों का मसीहा'** (बावजी) कहे जाने वाले तेजावत 1920 में चित्तौड़गढ़ स्थित 'मातृकुण्डिया' नामक स्थान पर **'एकी आन्दोलन'** प्रारम्भ किया तथा उदयपुर व चित्तौड़गढ़ से लोकसभा सदस्य एवं राजस्थान खादी ग्रामोद्योग बोर्ड के अध्यक्ष रहे।

डॉ. पी. के. सेठी

डॉ. पी. के. सेठी

- **जयपुर फुट के जनक** डॉ पी. के. सेठी ने सवाई मानसिंह चिकित्सालय में कार्यरत रामचन्द्र के सहयोग से 1969 ई. में दिव्यांगों के लिए नकली पैर (जयपुर फुट) विकसित किया।
- इस कार्य के लिए इन्हें रैमन मैग्सेसे अवार्ड, डॉ. वी. सी. राय सम्मान, पद्मश्री सम्मान तथा रोटरी इंटरनेशनल अवार्ड फॉर वर्ल्ड अण्डर स्टेण्डिग एण्ड पीस पुरस्कार प्राप्त हुए।

तेज कवि

- तेज कवि जैसलमेरी का जन्म वर्ष 1938 में हुआ था, उन्होंने, श्री कृष्णा कंपनी के नाम से राममत का अखाड़ा शुरू किया था। इन्होंने 1943 में 'स्वतन्त्र बावनी' ग्रन्थ लिखा था।
- जिसे इन्होंने गांधी जी को भेंट किया था। तेज कवि ने कमिश्नर के घर के आगे जाकर कहा था 'कमिश्नर खोल दरवाजा हमें भी जेल जाना है, हिन्द तेरा है न तेरे बाप का, लगाया कैसा बंदीयाना है।'

झाला जालिमसिंह

- झाला जालिमसिंह अपने समय के एक महान कूटनीतिज्ञ और प्रशासक थे, जिन्हें **1758** में कोटा का फौजदार नियुक्त किया गया।
- **1761** में **भटवाड़ा के युद्ध** में उनकी अद्वितीय वीरता और रणनीति के कारण जयपुर के शासक सवाई माधोसिंह की हार हुई, जिससे कोटा दरबार में उनका वर्चस्व स्थापित हो गया।
- उन्होंने अपनी 'साम-दाम-दंड-भेद' की नीति से कोटा राज्य को मराठों के आक्रमणों से सुरक्षित रखा।
- उन्होंने मराठों की कमजोर होती स्थिति को देखकर अंग्रेजों से मैत्रीपूर्ण संबंध स्थापित किए और मेटकॉफ के साथ संधि के लिए तैयार हो गए।
- उनकी दूरदर्शिता और कूटनीति का ही परिणाम था कि **1838** में उनके वंशजों के लिए एक स्वतंत्र राज्य **झालावाड़** की स्थापना हुई।

संत लाडाराम

- जोधपुर में जन्मे लाडाराम जी एक सच्चे गांधीवादी और स्वतंत्रता सेनानी थे, जिन्होंने अपना जीवन समाज सेवा और देश की आजादी के लिए समर्पित कर दिया।
- वे उन प्रमुख व्यक्तियों में से थे जिन्होंने **1930** में महात्मा गांधी के ऐतिहासिक **दांडी मार्च** में भाग लिया था।
- **1942** के भारत छोड़ो आंदोलन में सक्रिय भूमिका निभाने के कारण उन्हें छह वर्ष के कठोर कारावास की सजा मिली।
- उन्होंने किसानों के अधिकारों, विशेषकर फसलों को नुकसान पहुँचाने वाले सूअरों को न मारने के रियासती आदेश के खिलाफ सफल आंदोलन किया।
- वे लंबे समय तक **'मारवाड़ लोकतंत्र'** व जोधपुर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष रहे और उन्होंने बावरी तथा राईका जैसी वंचित जातियों के उत्थान के लिए भी अथक प्रयास किए।

अमरचन्द बांठिया

- अमरचन्द बांठिया को **"1857 के स्वतंत्रता संग्राम का भामाशाह"** कहा जाता है। वे इस संग्राम में शहीद होने वाले पहले राजस्थानी थे।
- उनका जन्म **1797** में बीकानेर में हुआ था, लेकिन बाद में वे व्यापार के लिए ग्वालियर में बस गए, जहाँ ग्वालियर राजपरिवार ने उन्हें **'नगरसेठ'** की उपाधि दी।
- 1857 की क्रांति के दौरान जब रानी लक्ष्मीबाई और तात्या टोपे को धन की आवश्यकता हुई, तो उन्होंने अपनी पूरी निजी संपत्ति और ग्वालियर का राजकोष देश की आजादी के लिए उन्हें सौंप दिया।
- उनकी इस मदद के कारण अंग्रेजों ने उन्हें **22 जून, 1858** को ग्वालियर में एक पेड़ से लटकाकर फाँसी दे दी, जिससे वे स्वतंत्रता संग्राम के अमर शहीदों में शामिल हो गए।

कुशललाभ

- कुशललाभ एक सुप्रसिद्ध जैन संत और कवि थे, जिन्होंने राजस्थानी साहित्य में महत्त्वपूर्ण योगदान दिया।
- उन्होंने राजस्थान की प्रसिद्ध लोक कथाओं **'ढोला-मारू'** और **'माधवानन्द-कामकन्दला'** पर आधारित काव्यों की रचना की।
- उन्होंने राजस्थानी छंदों के आधार पर **'पिंगल शिरोमणि'** नामक एक महत्त्वपूर्ण ग्रंथ की भी रचना की, जो काव्यशास्त्र का एक उत्कृष्ट उदाहरण है।

(C) नारायणी देवी (D) शांतादेवी त्रिवेदी **[B]**

32. निम्न में से कौनसी संगठन केसरीसिंह बारहठ ने स्थापित की?
(A) नगर सभा (B) वीर भारत सभा
(C) ग्राम सभा (D) बाल सभा **[B]**

33. 'मारवाड़ सेवा संघ' की स्थापना किसने की?
(A) जयनारायण व्यास (B) मोतीलाल तेजावत
(C) माणिक्य लाल वर्मा (D) केसरीसिंह बारहठ **[A]**

34. 1923 में ब्यावर से राजस्थान नामक साप्ताहिक पत्र किसने प्रारंभ किया था?
(A) रिशीदत्त मेहता (B) रामनारायण चौधरी
(C) विजयसिंह पथिक (D) जयनारायण व्यास **[A]**

35. इंडिया हाउस की स्थापना किसने और कहाँ की—
(A) श्यामजी कृष्ण वर्मा, इंग्लैण्ड में
(B) लाला हरदयाल, अमेरिका में
(C) रामनारायण चौधरी, बिजौलिया में
(D) इनमें से कोई नहीं **[A]**

36. हरिजन सेवा समिति की स्थापना किसने की?
(A) माणिक्य लाल वर्मा ने (B) भोगीलाल पाण्ड्या ने
(C) सागरमल गोपा ने (D) जमनालाल बजाज ने **[B]**

37. 'यदि मैं राज्य की नौकरी करूँगा तो अँग्रेजों को बाहर निकाल फेंकने का काम कौन करेगा?' यह कथन है—
(A) जमनालाल बजाज का (B) प्रतापसिंह बारहठ का
(C) अर्जुनसिंह सेठी का (D) केसरी सिंह बारहठ का **[C]**

38. राजस्थान के स्वतंत्रता संग्राम का भामाशाह कहा जाता है—
(A) महाराजा गंगा सिंह (B) अर्जुनलाल सेठी
(C) दामोदर दास राठी (D) भोगीलाल पाण्ड्या **[C]**

39. 'जैसलमेर राज्य का गुण्डा शासन' नामक पुस्तक किसने लिखी?
(A) समर्थदान (मनीषी) (B) डॉ. सीताराम लालस
(C) डॉ. सुधीन्द्र (D) सागरमल गोपा **[D]**

40. क्राँतिकारी रचना 'चेतावनी रा यूंगट्या' के रचयिता थे—
(A) केसरी सिंह बारहठ (B) श्यामजी कृष्ण वर्मा
(C) दामोदर दास राठी (D) रावगोपाल सिंह **[A]**

41. 'जीवन कुटीर के गीत' निम्न में से किसके द्वारा लिखा गया?
(A) जयनारायण व्यास (B) हरिभाऊ उपाध्याय
(C) हीरालाल शास्त्री (D) गोकुलभाई भट्ट **[C]**

42. कालीबाई राजस्थान के किस आन्दोलन से सम्बन्धित है?
(A) बिजौलिया आन्दोलन (B) बेगू आन्दोलन
(C) रास्तापाल आन्दोलन (D) स्वदेशी आन्दोलन **[C]**

43. किस समाचार पत्र के माध्यम से विजय सिंह पथिक ने बिजौलियाँ किसान आंदोलन को भारत में चर्चित बनाया
(A) प्रताप (B) दैनिक नवज्योति
(C) लोक वाणी (D) प्रभात **[A]**

44. जयपुर में वर्धमान विद्यालय की स्थापना किसने की?
(A) विजयसिंह पथिक (B) टीकाराम पालीवाल
(C) अर्जुनलाल सेठी (D) हीरालाल शास्त्री **[C]**

45. स्वतंत्रता सेनानी विजय सिंह पथिक निम्नलिखित में से किस समाचार पत्र के संपादक थे?
(A) हरिजन (B) राजस्थान केसरी
(C) तलवार (D) समाचार दर्पण **[B]**

46. निम्नलिखित में से कौनसी कविता सुनने के बाद, शाही नरेश (रॉयल किंग) ब्रिटिश वाइसरॉय से मिलने के लिए दिल्ली नहीं गए थे
(A) रूठी रानी (B) सैतान सुजस
(C) चेतवानी रा चुंगटया (D) सांगला री पीड़ा **[C]**

47. ''भारत में एक मात्र ठाकुर केसरीसिंह बारहठ ऐसे व्यक्ति हैं, जिन्होंने भारत माता की दासता की शृंखलाओं को काटने के लिए अपने समस्त परिवार को स्वतंत्रता के युद्ध में झोंक दिया।'' ये कथन किसने कहा?
(A) महात्मा गाँधी (B) रासबिहारी बोस
(C) सुभाष चन्द्र बोस (D) सरदार पटेल **[B]**

48. वनस्थली विद्यापीठ से सम्बन्धित थी—
(A) रतन शास्त्री (B) महिमा देवी
(C) कस्तूरबा गाँधी (D) नारायणी देवी **[A]**

49. भारतीय डाक और तार विभाग ने पंडित हीरालाल शास्त्री के सम्मान में किस वर्ष एक स्मारक डाक टिकट जारी किया
(A) 1976 में (B) 1979 में
(C) 1967 में (D) 1966 में **[A]**

50. स्वामी दयानंद सरस्वती ने उदयपुर में किस संस्था की स्थापना की?
(A) आर्य समाज (B) इजलास सभा
(C) परोपकारिणी सभा (D) महाइन्द्राज सभा **[C]**

51. भारतीय राज्यों के साथ ब्रिटिश सरकार के सम्बन्धों के अध्ययन पर प्रकाश डालने वाली 'लॉर्ड हेस्टिंग्स एंड इंडियन स्टेट्स' पुस्तक को किसने लिखा है?
(A) मोहनसिंह मेहता (B) सीताराम लालस
(C) श्यामलदास दधवाढ़िया (D) विजयदान देथा **[A]**

52. 'विद्यार्थी यूथ लीग' (1929 ई.) की स्थापना दिल्ली में किसने की—
(A) टीकाराम पालीवाल (B) मास्टर आदित्येन्द्र
(C) जानकी देवी बजाज (D) माणिक्यलाल वर्मा **[A]**

53. सार्दुल राजस्थान रिसर्च इंस्टीट्यूट की स्थापना किसने की—
(A) दशरथ शर्मा (B) रायचन्द
(C) जेम्स टाड (D) रामकर्ण आसोपा **[A]**

55. रूसी कथाओं के राजस्थानी अनुवाद 'गजबण' के लिए सोवियत लैण्ड नेहरू पुरस्कार किसे दिया गया?
(A) मंगत बादल (B) कोमल कोठारी
(C) विजयदान देथा (D) लक्ष्मी कुमारी चूण्डावत **[D]**

56. 'राजपूत जीवन सन्ध्या' उपन्यास लिखा है—
(A) केसरीनाथ (B) अवनीन्द्रनाथ
(C) रमेश चन्द्र दत्त (D) कन्हैयालाल **[C]**

57. महर्षि दयानन्द का स्वर्गवास निम्न में से किस स्थान पर हुआ?
(A) जयपुर (B) अलवर (C) अजमेर (D) जोधपुर **[C]**

1 राज्यपाल [Governor]

❖ भारतीय संविधान के भाग 6 के अध्याय 2 में अनुच्छेद 153 से 167 तक राज्य की कार्यपालिका की संरचना और कार्यों का वर्णन किया गया है।

राज्य कार्यपालिका
(भाग 6 के अध्याय 2 में अनुच्छेद 153 से 167)

- राज्यपाल
- मुख्यमंत्री
- मंत्रिपरिषद
- महाधिवक्ता

❖ राज्यपाल राज्य का संवैधानिक और कार्यकारी प्रमुख होता है, जिसे विधितः अध्यक्ष या 'हेड ऑफ स्टेट' भी कहा जाता है। इसके साथ ही, राज्यपाल केंद्र सरकार के एक प्रतिनिधि के तौर पर भी काम करता है, जिससे उसकी भूमिका दोहरी हो जाती है।

❖ अनुच्छेद 153 में यह प्रावधान है कि प्रत्येक राज्य के लिए एक राज्यपाल होगा। सातवें संविधान संशोधन अधिनियम, 1956 के द्वारा यह व्यवस्था की गई कि एक ही व्यक्ति को दो या दो से अधिक राज्यों का राज्यपाल भी नियुक्त किया जा सकता है।

❖ इस अधिनियम द्वारा राज्यों की श्रेणियाँ A,B,C,D समाप्त कर दी गई।
❖ इस अधिनियम द्वारा राजप्रमुख के स्थान पर राज्यपाल का पद प्रारम्भ किया गया।
❖ इस अधिनियम द्वारा लोकसभा की सीटे 500 से बढ़कर 525 की गई।

❖ अनुच्छेद 154 के अनुसार, राज्य की संपूर्ण कार्यपालिका शक्ति राज्यपाल में निहित होगी।

❖ राज्यपाल इन शक्तियों का प्रयोग संविधान के अनुरूप स्वयं या अपने अधीनस्थ अधिकारियों के माध्यम से करेगा।

❖ यह अनुच्छेद यह भी स्पष्ट करता है कि इसके प्रावधान किसी मौजूदा कानून द्वारा अन्य प्राधिकारी को सौंपे गए कार्यों को राज्यपाल को हस्तांतरित नहीं करेंगे।

❖ साथ ही, यह संसद या राज्य विधानमंडल को कानून द्वारा राज्यपाल के अधीनस्थ किसी प्राधिकारी को कार्य सौंपने से नहीं रोकेगा।

नियुक्ति

❖ संविधान के अनुच्छेद 155 के अनुसार, राज्य के राज्यपाल की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा उनके हस्ताक्षर और मुहर लगे अधिपत्र के माध्यम से की जाती है।

❖ इस प्रक्रिया से यह स्पष्ट होता है कि राज्यपाल केंद्र सरकार द्वारा मनोनीत व्यक्ति होता है।

❖ हरगोविन्द पंत बनाम रघुकुल तिलक, ए.आइ.आर. 1979 मामले में उच्चतम न्यायालय ने यह व्यवस्था दी थी कि राज्यपाल का पद भारत सरकार के अधीन कोई नियोजन या रोजगार नहीं है।

❖ उच्चतम न्यायालय के 1979 के निर्णय के अनुसार, राज्यपाल का कार्यालय एक स्वतंत्र संवैधानिक पद है, और यह न तो केंद्र सरकार के नियंत्रण में है और न ही उसके अधीनस्थ है।

पदावधि

❖ अनुच्छेद 156 के अनुसार, राज्यपाल पद ग्रहण करने की तारीख से पाँच वर्ष की अवधि के लिए पद धारण करता है।

❖ हालांकि, राज्यपाल का कार्यकाल ''राष्ट्रपति के प्रसादपर्यंत'' होता है, जिसका अर्थ है कि राष्ट्रपति उन्हें कभी भी पद से हटा सकते हैं।

❖ राज्यपाल किसी भी समय राष्ट्रपति को संबोधित करके अपने हस्ताक्षर सहित लेख द्वारा अपना पद त्याग सकता है।

❖ अपने कार्यकाल की समाप्ति के बाद भी राज्यपाल तब तक अपने पद पर बना रहता है, जब तक कि उसका उत्तराधिकारी पद ग्रहण नहीं कर लेता।

अर्हताएं योग्यताएँ

❖ संविधान के अनुच्छेद 157 में राज्यपाल के पद पर नियुक्ति के लिए दो मुख्य योग्यताएं निर्धारित की गई हैं।

❖ प्रथम, वह व्यक्ति भारत का नागरिक होना चाहिए।

❖ द्वितीय, वह 35 वर्ष की आयु पूरी कर चुका हो।

नियुक्ति से संबंधित परंपराएं

❖ **पहली परंपरा** के अनुसार, राज्यपाल को उस राज्य का निवासी नहीं होना चाहिए जहां उसे नियुक्त किया जा रहा है, ताकि वह स्थानीय राजनीति से निष्पक्ष और मुक्त रह सके।

❖ **दूसरी परंपरा** यह है कि राष्ट्रपति को राज्यपाल की नियुक्ति से पूर्व संबंधित राज्य के मुख्यमंत्री से परामर्श करना चाहिए, जिससे राज्य में संवैधानिक व्यवस्था को सुचारू रूप से सुनिश्चित किया जा सके।

❖ हालांकि, कई अवसरों पर इन परंपराओं का उल्लंघन भी हुआ है। उदाहरण के लिए, 1981 में जम्मू-कश्मीर के राज्यपाल के रूप में जगमोहन की नियुक्ति मुख्यमंत्री फारूख अब्दुल्ला से सलाह लिए बिना की गई थी। इसी प्रकार, 1988 में पश्चिम बंगाल में टी.वी. राजेश्वर राव की नियुक्ति मुख्यमंत्री ज्योति बसु से बिना परामर्श के हुई।

❖ इसके अलावा, डॉ. एच. सी. मुखर्जी (पश्चिम बंगाल), डॉ. कर्णसिंह (जम्मू-कश्मीर), और सरदार उज्जवल सिंह (पंजाब) जैसे व्यक्तियों को उनके गृह राज्यों में ही राज्यपाल नियुक्त किया गया, जो पहली परंपरा का अपवाद है।

- ✧ धारा 10 और 11-ख में निर्दिष्ट कार्यों की लागत।
- ✧ कोई अन्य व्यय, जो जिला प्राधिकरण द्वारा किया जाना आवश्यक हो।

तालुका विधिक सेवा समिति

❖ विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम 1987 की धारा 11(क) के तहत तालुका विधिक सेवा समिति का उल्लेख किया गया है।

गठन

❖ राज्य प्राधिकरण प्रत्येक तालुक या मंडल के लिए या तालुकों या मंडलों के समूह के लिए एक तालुक विधिक सेवा समिति का गठन कर सकता है।

संगठनात्मक संरचना

❖ **धारा 11क** की **उपधारा (2)(ख)** के अधीन ताल्लुक विधि सेवा समिति के कर्मचारियों की संरचना, संख्या और अनुभव/अर्हताओं का उल्लेख किया गया है। समिति में निम्नलिखित शामिल होंगे—

- ✧ तालुक विधिक सेवा समिति में सात से अधिक सदस्य नहीं होंगे।
- ✧ तालुका विधिक सेवा समिति के पदेन सदस्य निम्नलिखित होंगे—
  - ⌑ उपखंड अधिकारी,
  - ⌑ उपखंड पुलिस अधिकारी,
  - ⌑ अध्यक्ष, स्थानीय बार एसोसिऐशन।
- ✧ राज्य सरकार, उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायमूर्ति के परामर्श से इस नियम के उप-नियम (4) में विहित अर्हता और अनुभव रखने वालों में से अन्य सदस्यों को नामनिर्दिष्ट कर सकेगी।
- ✧ कोई भी व्यक्ति तालुक विधिक सेवा समिति के सदस्य के रूप में नामनिर्देशन के लिए अर्हित नहीं होगा, जब तक कि वह—
  - ⌑ कोई विख्यात सामाजिक कार्यकर्ता, जो कि समाज के कमजोर वर्गों, जिसके अंतर्गत अनुसूचित जातियाँ, अनुसूचित जनजातियाँ, महिलाएँ, बच्चे, ग्रामीण मजदूर भी शामिल हैं, के उत्थान में लगा है; या
  - ⌑ विधि के क्षेत्र में कोई विख्यात व्यक्ति; या
  - ⌑ कोई प्रतिष्ठित व्यक्ति, जो विधिक सेवा स्कीमों के कार्यान्वयन में हितबद्ध हो।
- ✧ समिति के अधिकार क्षेत्र में कार्यरत वरिष्ठतम न्यायिक अधिकारी, जो पदेन अध्यक्ष होगा।

नियुक्ति

❖ **अन्य सदस्य**—इनकी नियुक्ति सरकार द्वारा उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश की सलाह से जिला प्राधिकरण द्वारा भर्ती किये गए व्यक्तियों में से की जाएगी।

❖ **अधिकारी और कर्मचारी**—समिति, उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश की सलाह से राज्य सरकार द्वारा निर्धारित संख्या में अधिकारियों और अन्य कर्मचारियों की नियुक्ति कर सकती है।

कार्यकाल

❖ समिति के सदस्यों के पद का कार्यकाल दो वर्ष का होगा। वे पुनः नामांकन के लिए पात्र होंगे।

योग्यता

❖ सदस्यों के पास राज्य सरकार द्वारा निर्धारित अनुभव और योग्यताएं होनी चाहिए।

वेतन भत्ते

❖ **धारा 11-क** की **उपधारा (4)** के अधीन अधिकारियों और कर्मचारियों की सेवा शर्तें तथा वेतन भत्तों का उल्लेख किया गया है।

❖ समिति के अधिकारियों और अन्य कर्मचारियों के वेतन, भत्ते और सेवा की अन्य शर्तें वे होंगी जिन्हें राज्य सरकार द्वारा उच्च न्यायालय के **मुख्य न्यायाधीश** की सलाह से निर्धारित किया जाएगा।

❖ समिति का प्रशासनिक खर्च **जिला विधिक सहायता निधि** से **जिला प्राधिकरण** द्वारा वहन किया जाएगा।

पद से हटना

❖ सदस्य को राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यकारी अध्यक्ष द्वारा तालुका विधिक सेवा समिति के अध्यक्ष की सिफारिश पर जिला प्राधिकरण के अध्यक्ष के परामर्श से हटाया जा सकता है यदि—

- ✧ लगातार तीन बैठकों में अनुपस्थित रहे।
- ✧ दिवालिया घोषित होने पर
- ✧ आपराधिक दोषी ठहराया गया हो तथा नैतिक अधमता हो।
- ✧ शारीरिक एवं मानसिक रूप से अक्षम

बैठक

❖ महीने में एक बार, बैठक का स्थान, तारीख, समय **अध्यक्ष** द्वारा निर्धारित की जाती है।

प्राधिकरण के कार्य

❖ तालुक में विधिक सहायता गतिविधियों का समन्वय करना।

❖ तालुक के भीतर लोक अदालतों का आयोजन करना।

❖ जिला प्राधिकरण द्वारा सौंपे गए अन्य कार्यों को पूरा करना।

विधिक सहायता के लिए पात्रता

❖ विधिक सेवा अधिनियम 1987 की **धारा 12** में विधिक सहायता के लिए क्या-क्या पात्रता होनी चाहिए का उल्लेख किया गया है। प्रत्येक व्यक्ति, जिसे कोई मामला दायर करना है या किसी मामले में बचाव करना है, इस अधिनियम के तहत विधिक सेवाओं का हकदार होगा, यदि वह व्यक्ति—

- ✧ अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का सदस्य है;
- ✧ संविधान के **अनुच्छेद 23** में वर्णित मानव के दुर्व्यापार या बेगार का शिकार है;
- ✧ कोई स्त्री या बालक है;
- ✧ निःशक्त व्यक्ति (समान अवसर, अधिकारों का संरक्षण और पूर्ण भागीदारी) अधिनियम, 1995 की धारा 2 (i) में परिभाषित निःशक्तता की स्थिति से ग्रस्त है;
- ✧ ऐसी परिस्थितियों का शिकार है, जिनमें वह अनर्जित अभाव की दशा में है, जैसे कि सामूहिक विनाश, जातीय हिंसा, जातीय अत्याचार, बाढ़, सूखा, भूकंप या औद्योगिक आपदा;
- ✧ एक औद्योगिक कामगार है;
- ✧ अभिरक्षा में है, जिसमें अनैतिक व्यापार (निवारण) अधिनियम, 1956 की धारा 2(g) के अर्थ में किसी संरक्षण गृह में या किशोर न्याय अधिनियम, 1986 की धारा 2(j) के अर्थ में किसी किशोर गृह में या मानसिक स्वास्थ्य अधिनियम, 1987 की धारा 2(g) के अर्थ में

1 महाद्वीप [Continents]

महाद्वीपों की उत्पत्ति

- सर्वप्रथम वेगनर महोदय, महाद्वीप एवं महासागर की उत्पत्ति की स्पष्ट व्याख्या करने में सफल हुए।
- वेगनर के अनुसार कार्बोनीफेरस युग में संसार के सभी देश आपस में जुड़े हुए थे, जो एक महान स्थल खण्ड पेंजिया के रूप में विद्यमान था, पेंजिया के चारों ओर एक विशाल सागर था, जिसे वेगनर ने **पेंथालासा** कहा।
- आस्ट्रेलिया, अंटार्कटिका, प्रायद्वीपीय भारत, अफ्रीका एवं दक्षिणी अमेरिका मिलकर इस स्थलखंड के दक्षिणी भाग का निर्माण करते थे, जिसे वेगनर ने **गोडवाना लैंड** कहा है।
- उत्तरी अमेरिका, यूरोप एवं एशिया इस स्थलखंड के उत्तरी भाग थे, जिसे **अंगारालैंड** या **लारेशिया** कहा जाता है। इन दोनों खण्डों के बीच टेथिस सागर स्थित था।
- कार्बोनीफेरस युग में पेंजिया का विखण्डन प्रारंभ हुआ। महाद्वीपों का वर्तमान रूप पेंजिया के विखण्डन एवं इस विखंडित स्थल खण्डों के विभिन्न दिशाओं में प्रवाहित होने के फलस्वरूप प्राप्त हुआ है।

विश्व के महाद्वीप एवं महासागर (Continents and Oceans of the World)

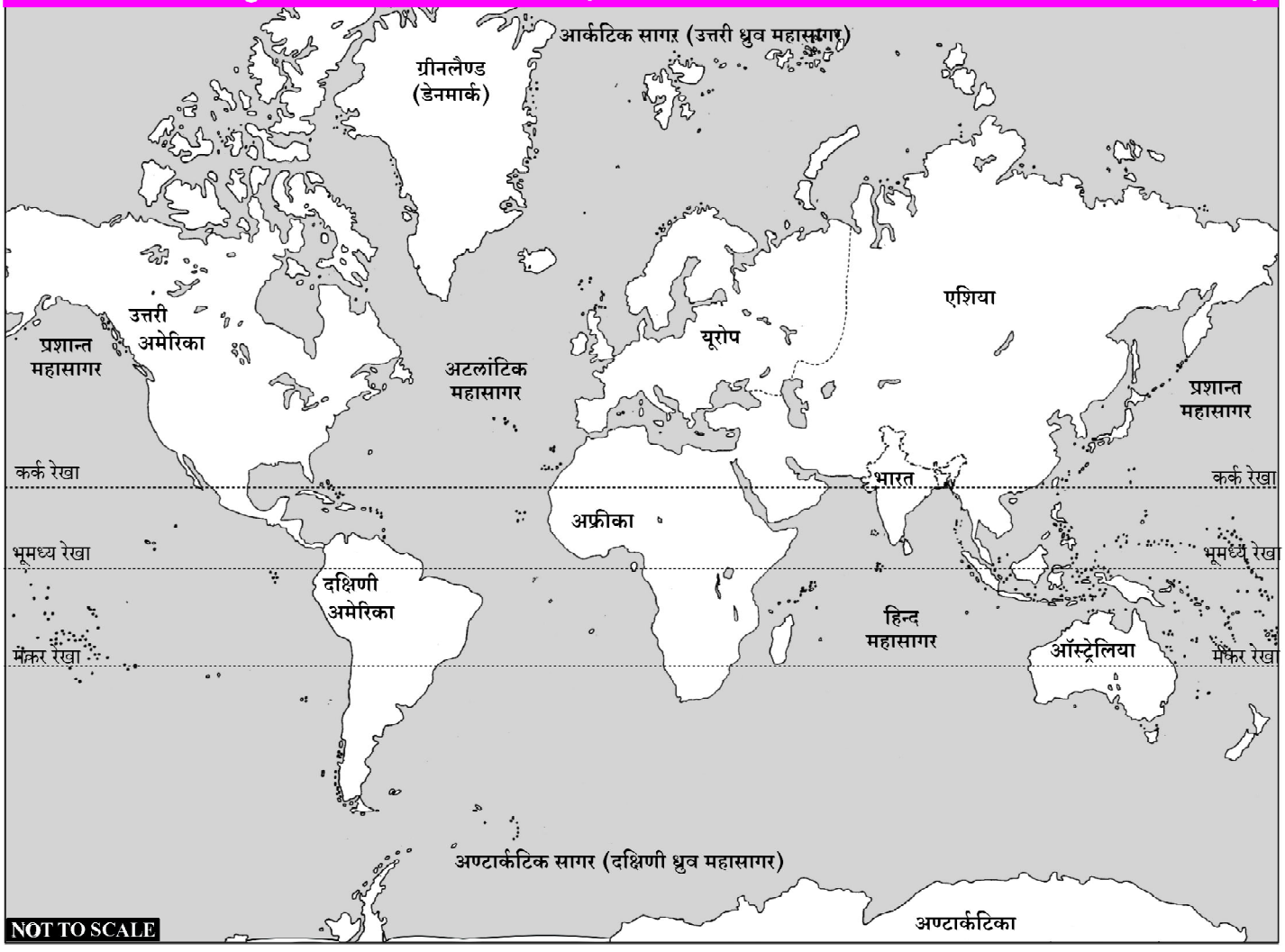

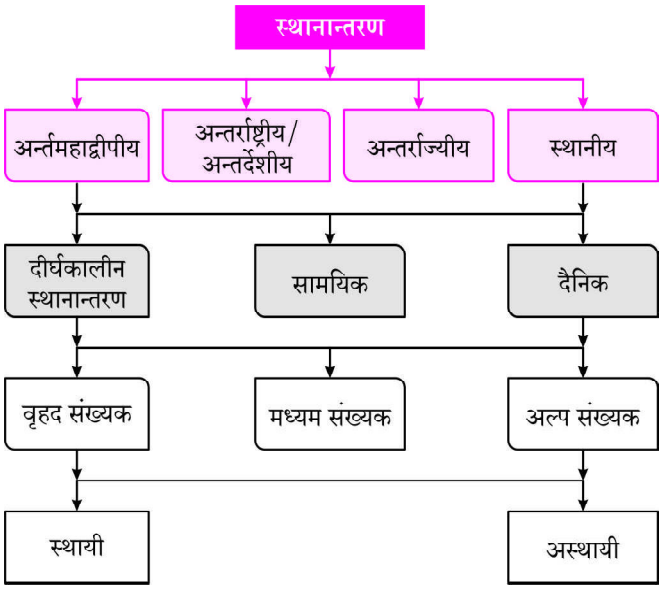

प्रवास के प्रकार

(अ) **अन्तर्राष्ट्रीय प्रवास**—विश्व में एक महाद्वीप से दूसरे महाद्वीप में या एक देश से दूसरे देश में लोगों के होने वाले प्रवास को अन्तर्राष्ट्रीय प्रवास कहते हैं। लोगों का अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर स्थानान्तरण अधिकतर आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक एवं धार्मिक कारणों से हुआ है। प्राचीन काल से वर्तमान काल तक मनुष्य किसी न किसी कारण से प्रभावित होकर स्थानान्तरण करता रहा है। वर्तमान में स्थानान्तरण रोजगार प्राप्ति के लिए भी किया जा रहा है।

विश्व के प्रमुख अन्तर्राष्ट्रीय प्रवास

(i) **यूरोपीय प्रवास**—यूरोप महाद्वीप के उत्तरी-पश्चिमी भाग से दूसरों देशों में प्रवास अधिक रहा है। इस क्षेत्र के लोग समुद्री मार्ग से होकर 12वीं शताब्दी तक विश्व के अनेक देशों में जाकर स्थायी रूप से रहने लग गए।

- यूरोप महाद्वीप में संसाधनों की कमी तथा जीवन स्तर के गिरने के दबाव के कारण यहाँ से विश्व के अन्य ज्ञात देशों की ओर प्रवास करने लगे। यूरोप के पश्चिमी भाग में समुद्री तट पर स्थित देशों इंग्लैण्ड, फ्रांस, जर्मनी, पुर्तगाल, स्पेन, नीदरलैण्ड आदि देशों के लोग समुद्री मार्ग से होकर अफ्रीका, एशिया तथा अमेरिकी महाद्वीप के देशों में प्रवासित हो गए। अपनी उच्च तकनीकी के उपयोग से वहाँ जाकर इन लोगों ने संसाधनों का अति तीव्र गति से दोहन किया।
- यूरोपीय देशों के नागरिक यहाँ स्थानान्तरित होकर विश्व के दो मुख्य भागों में जाकर बस गए।

(अ) **उष्ण कटिबन्धीय क्षेत्र**—उत्तरी अमेरिका एवं दक्षिणी अमेरिका के समुद्र तटीय उष्ण कटिबन्धीय क्षेत्रों में जहाँ सुगमता से जाया जा सकता था।

- एशिया महाद्वीप के दक्षिणी-पूर्वी भाग में स्थित देश, यहाँ जाकर इन लोगों ने कपास, गन्ना, गर्म मसाले, तम्बाकू, कहवा, चाय, चावल आदि व्यापारिक फसलों का उत्पादन प्रारम्भ किया गया। इन बागानों पर मजदूरी करवाने के लिए यूरोपीय लोग अन्य देशों से बन्धुआ मजदूर पकड़कर लाते थे।

(ब) **शीतोष्ण कटिबन्धीय क्षेत्र**—यह जलवायु यूरोपीय लोगों के लिए अनुकूल थी जिस कारण इन क्षेत्रों में ये लोग स्थायी रूप से जाकर बस गए। इन क्षेत्रों में जनसंख्या भी यूरोपीय लोगों के आगमन के पूर्व बहुत विरल थी। अतः इन्हें वहाँ जाकर स्थायी रूप से रहने में कोई कठिनाई नहीं हुई। उत्तरी अमेरिका के संयुक्त राज्य, कनाड़ा, दक्षिणी, अफ्रीका, आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैण्ड आदि शीतोष्ण कटिबन्ध में स्थित देशों में इन लोगों की संख्या अधिकतम पाई जाती है।

- यूरोपीय लोगों का दूसरे देशों में प्रवास सन् 1820 से पूर्व बहुत कम था लेकिन इसे बाद बढ़ती जनसंख्या व घटते आर्थिक संसाधनों के कारण 1820 से 1940 के मध्य लगभग 6 करोड़ से अधिक यूरोपीय लोग विश्व के अन्य देशों में जाकर स्थायी रूप से बस गए। संयुक्त राज्य अमेरिका निश्चित ही सबसे बड़ा प्राप्तकर्ता देश था और 1840 से 1914 के बीच इसने 5 करोड़ लोगों को शरण दी जिनसे 4 करोड़ लोग अन्तिम 34 वर्षों में ही आए थे।

(ii) **एशियाई देशों से प्रवास**—मानव शास्त्रियों का मत है कि मानव प्रजातियों की उत्पत्ति मध्य एशियाई भाग में हुई। जलवायु की दशाओं के परिवर्तन होते रहने एवं नवीन प्रजाति द्वारा प्राचीन प्रजाति को स्थान विशेष से बाहर की ओर खदेड़ने के कारण प्रागैतिहासिक काल में मध्य एशिया से विभिन्न प्रजातियाँ प्रवासित होकर विश्व के विभिन्न भागों में जाकर स्थायी रूप से बस गई।

- 18वीं शताब्दी के बाद बढ़ती जनसंख्या के दबाव के कारण चीन, भारत एवं जापान के लोग अपने पड़ोसी देशों में प्रवासित हो गए एवं वहाँ स्थायी रूप से रहने लगे। क्योंकि उस समय पड़ोसी देशों की जनसंख्या बहुत कम थी।
- चीन से बहुत लोग 20वीं शाताब्दी के पहले एशिया के दक्षिणी-पूर्वी भाग में स्थित देशों मंचुरिया, कोरिया, मलेशिया, थाईलैण्ड, हिन्देशिया, वियतनाम, फिलीपीन्स, म्यांमार आदि विरल जनसंख्या वाले देशों में जाकर बस गए। इसके अलावा चीनी लोग अमेरिका, अफ्रीका देशों में भी जाकर स्थायी रूप से रहने लगे।
- जापान एक छोटा देश होने के कारण यहाँ प्रारम्भ से ही जनसंख्या दबाव अधिक रहा है। अतः यहाँ से जापानी लोग 1880 से 1900 के मध्य हवाई द्वीप, संयुक्त राज्य अमेरिका, कनाड़ा, ब्राजील, ऑस्ट्रेलिया, मंचूरिया, कोरिया, मलेशिया आदि देशों में प्रवसन कर गए।
- भारत से लोगों का समीपवर्ती देशों में प्राचीन काल में अपने धार्मिक उपदेशों के प्रचार के लिए कई लोग विभिन्न देशों में गए। बौद्ध धर्म का प्रचार-प्रसार करने के लिए बौद्ध भिक्षु प्राचीन काल में म्यांमार, श्रीलंका, मलेशिया, हिन्देशिया, आदि देशों में प्रवसन कर गए।
- भारत पर अंग्रेजों के शासनकाल के समय अंग्रेजों ने अपने कृषि बागानों पर मजदूरी करवाने हेतु भारतीयों को दक्षिण अफ्रीका, मॉरीशस, फिजी, त्रिनिडाड स्थानान्तरित किया जो वहीं के स्थायी निवासी हो गए

(ब) **अंतर्देशीय प्रवास**

- एक ही देश के विभिन्न राज्यों या प्रदेशों के मध्य लोगों के एक स्थान से दूसरे स्थान की ओर होने वाले प्रवसन को **आन्तरिक प्रवसन** कहते हैं।

(i) **अर्न्तप्रान्तीय प्रवास**—एक ही देश में विभिन्न भागों के मध्य इस प्रकार का प्रवसन होता है। भारत में स्वतन्त्रता प्राप्ति के बाद एक राज्य से दूसरे राज्य के मध्य जैसे— उत्तर प्रदेश तथा हरियाणा से कई लोग दिल्ली आकर बस गए। राजस्थान से बहुत से लोग, महाराष्ट्र, गुजरात, आदि राज्यों में जाकर बस गए।

1 भारत का भौतिक स्वरूप एवं विशेषताएँ [Physical Features and Characteristics of India]

भारत का नामकरण

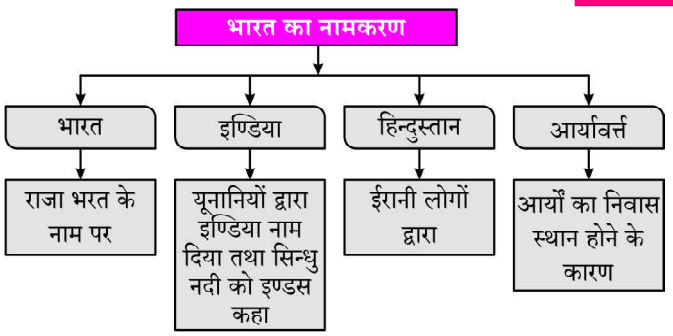

❖ भारत के संविधान के **अनुच्छेद 1** में इण्डिया और भारत दोनों शब्दों का परस्पर उपयोग किया गया है। जिसमें कहा गया है कि "भारत जो कि इंडिया है, राज्यों का एक संघ" होगा।

❖ भारत शब्द की गहरी ऐतिहासिक और सांस्कृतिक जड़े हैं इसका उल्लेख पौराणिक साहित्य, महाकाव्य एवं महाभारत में मिलता है। यह केवल राजनीतिक या भौगोलिक इकाई से अधिक धार्मिक और सामाजिक-सांस्कृतिक इकाई का प्रतीक है।

❖ भारत के अन्य प्राचीन नाम **हिमवर्ष** एवं **जम्बू वर्ष, भारतखण्ड, हिन्द, अलहिन्द, ग्यागर, फग्युल, तियान झू, होडू** आदि अन्य नामों से जाना जाता है।

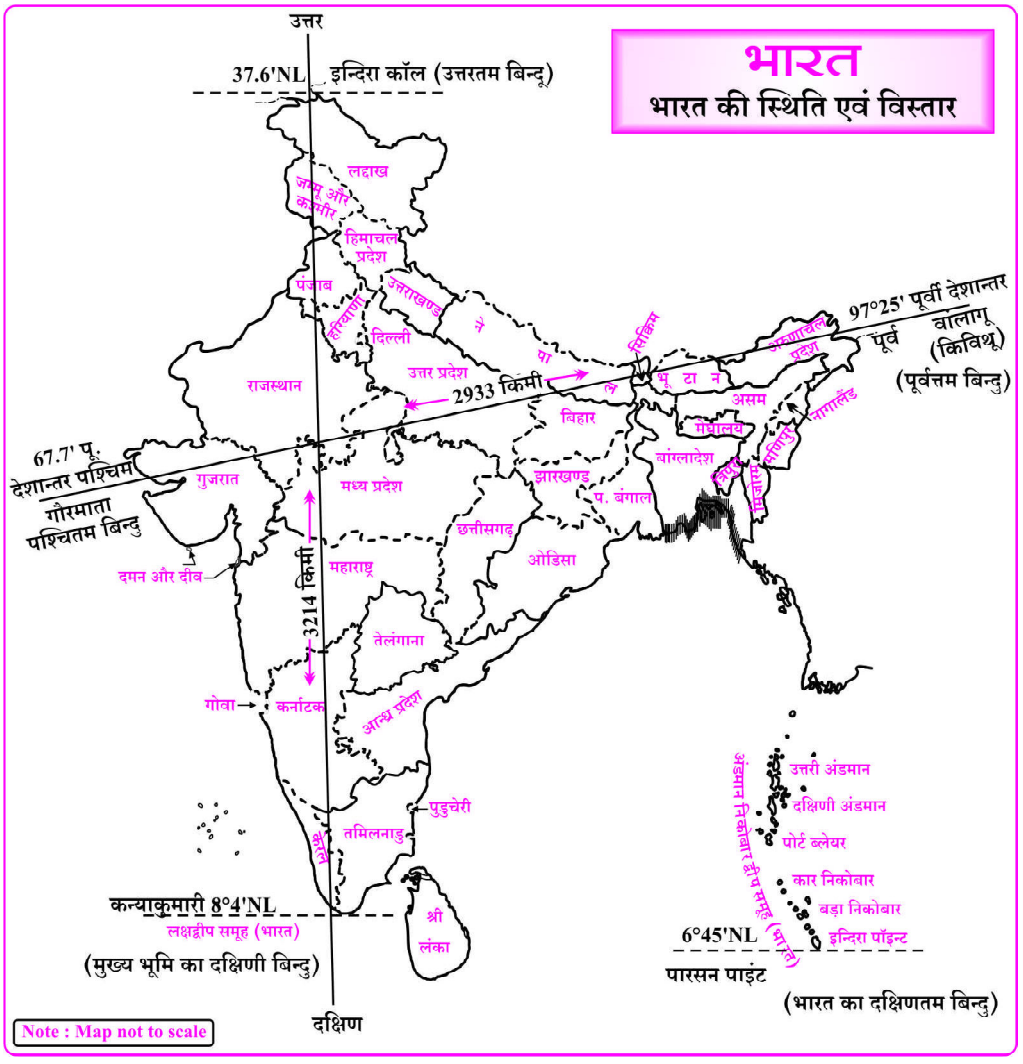

- यह पठार अनेक धरातलीय विविधताओं से भरा हुआ है। विभिन्न पर्वतों की उपस्थिति के फलस्वरूप यह पठार कई छोटे-छोटे पठारों में विभाजित हो गया है। इसे पर्वत न मानकर उसे भ्रंश भृंग (Fault Scarp) मानते हैं। इस पठार का झुकाव दक्षिण एवं दक्षिण पूर्व की तरफ है, फलस्वरूप अधिकांश नदियाँ बंगाल की खाड़ी में गिरती है।
- भू-संचलन के कारण इस पठार पर कई दरार घाटियों का निर्माण हुआ है। **नर्मदा** एवं **ताप्ती** जैसी नदियाँ दरार घाटियों का अनुसरण करते हुए, प्रायद्वीपीय पठार की ढाल के विपरीत प्रवाहित होकर अरब सागर में गिरती हैं।
- संपूर्ण पठार छोटे-छोटे पठारों में विभक्त हैं।

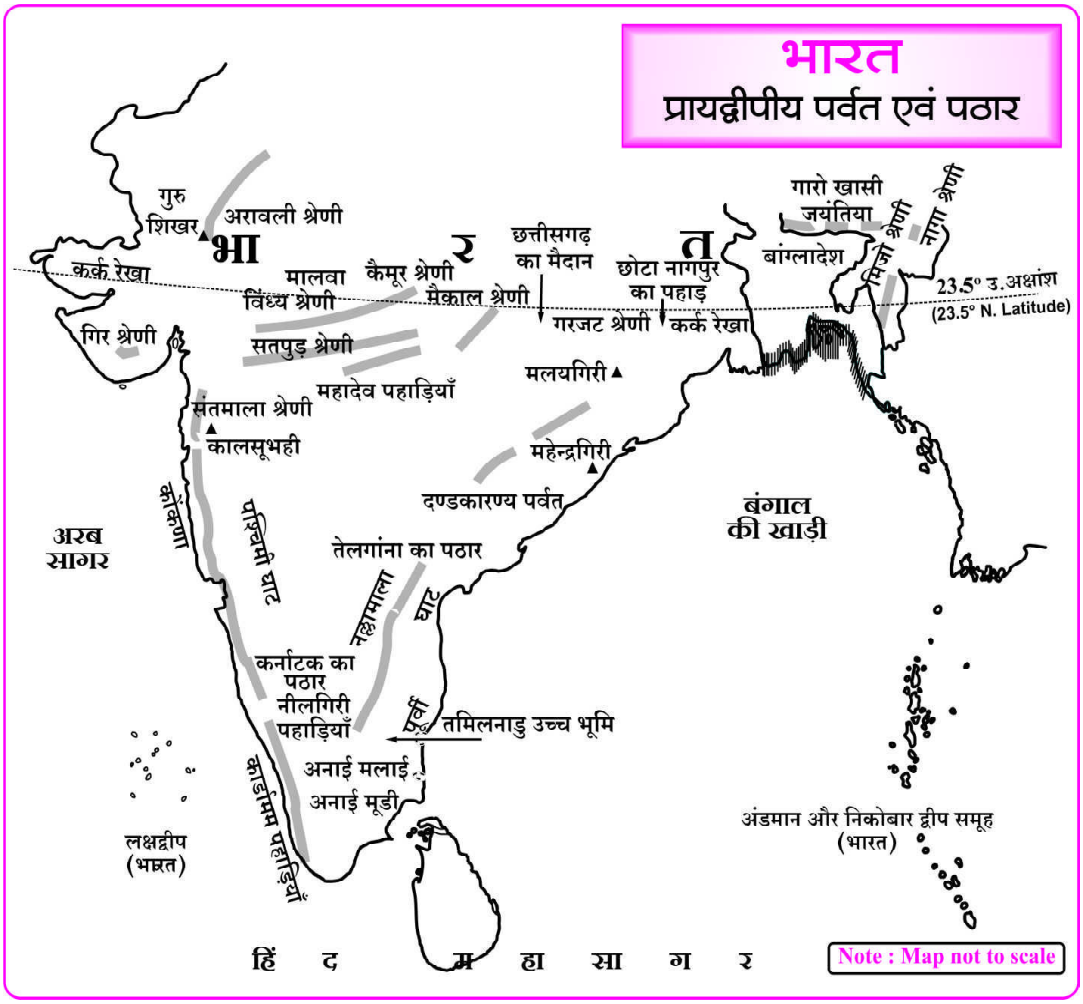

प्रायद्वीपीय भारत की सीमा बनाने वाली पर्वत श्रेणियाँ

(1) अरावली पर्वत

- यह एक अवशिष्ट पर्वत है एवं विश्व का प्राचीनतम मोडद्वार पर्वत है।
- यह दिल्ली से अहमदाबाद तक लगभग 800 किलोमीटर की लंबाई में फैला हुआ है।
- **गुरु शिखर** इसकी सर्वोच्च चोटी है, जिसकी ऊँचाई 1722 मीटर है।
- यह आबू पहाड़ी पर स्थित है।
- उदयपुर के निकट जरगा पहाड़ियाँ, अलवर के निकट हर्षनाथ की पहाड़ियाँ तथा दिल्ली के निकट इसे दिल्ली की पहाड़ियों के नाम से जाना जाता है।
- यह कठोर क्वार्ट्ज चट्टानों से निर्मित है।
- इनमें सीसा, ताम्बा, जस्ता, एस्बेस्टस, अभ्रक आदि।
- बार, पिपलीघाट, देवारी एवं देसुरी इसके कुछ महत्त्वपूर्ण दर्रे हैं।

(2) विंध्याचल पर्वत

- यह प्राचीन युग की परतदार चट्टानों से निर्मित है, जिसमें लाल बलुआ पत्थर बहुतायत से मिलते हैं।
- इसकी औसत ऊँचाई 700 से 1200 मीटर है।
- यह पर्वतमाला पश्चिम से पूर्व की ओर **भारनेर, कैमूर** एवं **पारसनाथ** की पहाड़ियों के रूप में गुजरात से लेकर बिहार तक विस्तृत है।
- यह पर्वतमाला **उत्तर भारत** को **दक्षिण भारत** से अलग करती है।

(3) सतपुड़ा पर्वत श्रेणी

नर्मदा एवं ताप्ती नदियों के बीच

- यह पर्वत श्रेणी पश्चिम में राजपिपला पहाड़ियों से प्रारंभ होकर महादेव एवं मैकाल पहाड़ियों के रूप में छोटानागपुर पठार तक विस्तृत है।
- इस पर्वत श्रेणी की सबसे ऊँची चोटी **धूपगढ़** (1350 मीटर) है जो महादेव पर्वत पर स्थित है।
- **पंचमढ़ी** (1117 मीटर) (मध्यप्रदेश) भी महादेव पर्वत पर ही स्थित है। इसे **सतपुड़ा की रानी** कहा जाता है।
- मैकाल पहाड़ी का सर्वोच्च शिखर **अमरकंटक** (1036 मीटर) है, जहाँ से सोन एवं नर्मदा नदियाँ निकलती हैं।
- यह एक ब्लॉक पर्वत है, जिसके उत्तर एवं दक्षिण में क्रमशः नर्मदा एवं ताप्ती की दरार घाटियाँ स्थित हैं।
- यह पर्वतमाला मुख्यतः ग्रेनाइट एवं बेसाल्ट चट्टानों से निर्मित हैं।
- भूगर्भवेत्ताओं के अनुसार, 'विंध्याचल पर्वत नर्मदा नदी की दरार घाटी का खड़ा ढाल मात्र है।'

- ✧ यह जलते समय साधारण धुँआ देता है।
- ✧ **गोंडवाना काल का कोयला** इसी प्रकार का है।

(3) लिग्नाइट कोयला यह घटिया किस्म का कोयला है।

- ✧ इसमें कार्बन की मात्रा 40–55%, जल का अंश 30–55%, तथा वाष्प 35–50% तक होती है।
- ✧ यह कोयला तमिलनाडु के तिरुवनालोर व वेल्लोर जिले में विस्तृत नवेली लिग्नाइट कोयला भण्डार प्रसिद्ध हैं। यहाँ पर 1956 से नवेली लिग्नाइट लिमिटेड द्वारा कोयला खनन किया जा रहा है।
- ✧ राजस्थान के बीकानेर जिले के पलाना नाम स्थान पर लिग्नाइट किस्म का कोयला मिलता है।

(4) पीट कोयला

- ✧ यह सबसे निम्न किस्म का कोयला होता है।
- ✧ इस कोयले में कार्बन की मात्रा 50 प्रतिशत से कम होती है।
- ✧ आर्द्र होने के कारण इससे धुँआ एवं राख सर्वाधिक निकलता है।

❖ भारत में उपलब्ध कोयला दो भू-वैज्ञानिक काल खण्डों में विभाजित किया है—
(अ) **गौंडवाना युगीन** (ब) **टर्शियरी काल** से सम्बन्धित है।

भारत में भू वैज्ञानिक काल के आधार पर कोयले के प्रकार

गोंडवाना युगीन	टर्शियरी युगीन
→ गोदावरी घाटी क्षेत्र → महानदी घाटी क्षेत्र → दामोदर घाटी क्षेत्र → पश्चिमी दामोदर घाटी क्षेत्र → सोन घाटी क्षेत्र → छत्तीसगढ़ कोयला क्षेत्र → सतपुड़ा कोयला क्षेत्र → महाराष्ट्र वर्धा घाटी → पश्चिम बंगाल	→ इस श्रेणी का कोयला मुख्य रूप से असम, मेघालय, जम्मू-कश्मीर, पश्चिम बंगाल, अरूणाचल प्रदेश में मिलता है।

(अ) गौंडवाना युगीन कोयला

❖ उत्पादन व उपभोग दृष्टि से गोंडवाना युगीन कोयले का सर्वाधिक महत्त्व है। भारत वर्ष में इस प्रकार का कोयला विभिन्न **नदी घाटियों** में पाया जाता है।

(1) गोदावरी घाटी क्षेत्र

❖ **आन्ध्र प्रदेश** राज्य में विस्तृत गोदावरी नदी की घाटी में देश के लगभग **7.5%** कोयले के भण्डार हैं। आदिलाबाद, करीमनगर, खम्माम, वारंगल और पश्चिमी गोदावरी मुख्य उत्पादक जिले हैं।

❖ गोदावरी और तन्दूर नदियों के बीच के 250 वर्ग किमी क्षेत्र में प्रसिद्ध कोयला फैला हुआ है। राज्य में **सिंगरेनी** कोयले का बड़ा उत्पादक क्षेत्र है।

❖ यहाँ **बाराकर श्रेणी** की चट्टानें 54 वर्ग किमी में फैली हुई हैं। यहाँ कोयले की परतें दो मीटर से भी अधिक मोटी हैं। आन्ध्र प्रदेश का वार्षिक कोयला उत्पादन 332 लाख टन है।

(2) महानदी घाटी क्षेत्र

❖ **उड़ीसा** राज्य में देश के लगभग 25% कोयले के भण्डार मिलते हैं। कुल उत्पादन का 15.3% भाग यहाँ से प्राप्त होता है। राज्य में ढेकनाल जिले में **तलचर कोयला** क्षेत्र 548 वर्ग किमी में फैला है।

❖ यहाँ का कोयला विद्युत उत्पादन, उर्वरक तथा गैस उत्पादन में प्रयुक्त होता है। उड़ीसा प्रतिवर्ष 523 लाख टन कोयले का उत्पादन करता है।

(3) दामोदर घाटी क्षेत्र

❖ देश का **सबसे बड़ा** कोयला उत्पादन क्षेत्र है। यहाँ से देश का **50%** से भी अधिक कोयला प्राप्त होता है। यह झारखण्ड एवं पश्चिम बंगाल राज्य में फैला हुआ है।

❖ पश्चिमी बंगाल के **बर्दवान, बाकुडा** और पुरुलिया जिले में विस्तृत **रानीगंज कोयला क्षेत्र** (1092 वर्ग किमी) भारत का सबसे महत्त्वपूर्ण और बड़ा उत्पादक क्षेत्र है। अकेले इस क्षेत्र से देश का **29%** कोयला प्राप्त होता है।

❖ झारखण्ड में **झरिया** सबसे बड़ा कोयला क्षेत्र है जो 436 वर्ग किमी में फैला है। यहाँ उत्तम किस्म के **बिटुमिन्स कोयले** के भण्डार है।

❖ हजारीबाग, बोकारो, गिरडीह, उत्तरी व दक्षिणी करणपुर और रामगढ़ प्रमुख कोयला उत्पादक क्षेत्र हैं।

(4) पश्चिमी दामोदर घाटी क्षेत्र

❖ यह झारखण्ड राज्य के **पलामू** जिले में फैला हुआ है। यहाँ पर औरंगा (240 वर्ग किमी) **डाल्टनगंज** (80वर्ग किमी) एवं हुतार प्रमुख कोयला उत्पादक क्षेत्र हैं।

❖ इसी घाटी में राजमहल पहाड़ियों के पश्चिम में **राजमहल** कोयला क्षेत्र 182 वर्ग किमी में फैला हुआ है।

(5) सोन नदी घाटी क्षेत्र

❖ इस क्षेत्र के अन्तर्गत मध्यप्रदेश के उमरिया, सोहागपुर और सिंगरोली कोयला क्षेत्र सम्मिलित होते हैं। राज्य के शाहडोल व सिधी जिलों में स्थित सिंगरोली 2037 वर्ग किमी में फैला मुख्य कोयला उत्पादक क्षेत्र है।

(6) छत्तीसगढ़ कोयला क्षेत्र

❖ कोयले के उत्पादन में इसका **तीसरा** स्थान है। यहाँ पर 16% कोयले का उत्पादन होता है

❖ प्रमुख कोयला क्षेत्रों में **रामकोला, तातापानी,** कोरबा, झिलमिल, विश्रामपुर, लखनपुर, चीरीमिरी मुख्य क्षेत्र हैं।

❖ रामकोला, तातापानी क्षेत्र 250 वर्ग किमी क्षेत्र में फैला हुआ है। हालाँकि यहाँ का कोयला घटिया किस्म का है।

❖ कोरबा क्षेत्र के निकट बिलासपुर में 515 वर्ग किमी क्षेत्र में कोयले के भण्डार है।

❖ यहाँ पर कोयले की खानें महानदी व उसकी सहायक अहराम व बुरांग नदियों के आर पार फैली हुई हैं।

(7) सतपुड़ा कोयला क्षेत्र

❖ नर्मदा नदी की घाटी के दक्षिण में सतपुड़ा के उत्तरी ढालों के तल में नरसिंहपुर जिले में **मोहवानी कोयला क्षेत्र** स्थित हैं। यहाँ 4 करोड़ टन कोयले के भण्डार अनुमानित किये गये हैं।

❖ इसी के निकट **कान्हन घाटी क्षेत्र** में 7 करोड़ टन कोयले के भण्डार हैं। एम पी और महाराष्ट्र के अधिकांश कोयला क्षेत्र इसी सतपुड़ा में फैले हैं।

(b) झरिया — पश्चिम बंगाल
(c) कोरबा — छत्तीसगढ़

नीचे दिए गए कूट से सही युग्म/युग्मों का चयन कीजिए :
कूट : [RPSC Grade II • 08-09-25]
(A) (a) तथा (b) सही हैं।
(B) (a) तथा (c) सही हैं।
(C) (a), (b) तथा (c) सही हैं।
(D) केवल (a) सही है । **[A]**

4. गैर-जीवाश्म ईंधन वर्ग में, भारत में कौनसे गैर-परपम्परागत ऊर्जा स्रोत की सर्वाधिक संस्थापित उत्पादन क्षमता पाई जाती है? (Grade II, Group-C GK 29-01-2023)
(A) पवन ऊर्जा (B) सौर ऊर्जा
(C) नाभिकीय ऊर्जा (D) जलविद्युत ऊर्जा **[B]**

5. निम्नलिखित में से कौनसा पश्चिमी भारत का अपतटीय तेल क्षेत्र नहीं है? (Grade II, Group-D GK 29-01-2023)
(A) मुम्बई हाई (B) बसीन
(C) अलियाबेट (D) अंकलेश्वर **[D]**

6. भारत में खाद्य तेलों के उत्पादन के संदर्भ में निम्न में से कौनसा कथन सही है? (Grade II, Group-D GK 29-01-2023)
कथन (A) : भारत विश्व में वनस्पति तेलों का नम्बर एक आयातक और दूसरा सर्वाधिक उपभोग करने वाला है।
कथन (B) : अगस्त 2021में भारत में खाद्य तेलों की उपलब्धता को बढ़ाने के लिए खाद्य तेलों पर राष्ट्रीय मिशन-ऑयल पाम का शुभारम्भ किया गया।
(A) कथन (A) सही है।
(B) कथन (B) सही है।
(C) दोनों ही सही हैं।
(D) ना तो (A) ही सही है और ना ही (B) सही है। **[C]**

7. सुबनसिरी जलविद्युत परियोजना किस राज्य में स्थित है? (Grade II (S.E.) Group-A GK 12-02-2023)
(A) मणिपुर (B) मेघालय
(C) अरुणाचल प्रदेश (D) तमिलनाडु **[C]**

8. 31 मार्च, 2021 तक निम्न में से किस राज्य की पवन ऊर्जा क्षमता (धरातलीय स्तर से 100 मीटर की ऊँचाई तक) सर्वाधिक थी? (Grade II (S.E.) Group-B GK 12-02-2023)
(A) कर्नाटक की (B) राजस्थान की
(C) महाराष्ट्र की (D) गुजरात की **[D]**

9. गलत युग्म चुनिए— (Grade II, Group-A GK 30-07-2023)

क्षेत्र	ऊर्जा संसाधन
(A) नाहरकटिया	गैस
(B) झरिया	कोयला
(C) आलियाबैट	तेल
(D) मोरान हुगरीजन	कोयला **[D]**

10. इडूक्की जल विद्युत परियोजना अवस्थित है— (Grade II, Group-B GK 30-07-2023)
(A) महाराष्ट्र में (B) तमिलनाडु में
(C) केरल में (D) कर्नाटक में **[C]**

11. कौनसा सुमेलित नहीं है? (Grade II, Group-B GK 30-07-2023)

(परमाणु शक्ति केन्द्र)	(राज्य)
(A) कैगा	कर्नाटक
(B) नरोरा	उत्तर प्रदेश
(C) काकरापार	महाराष्ट्र
(D) कलपक्कम	तमिलनाडु **[C]**

12. कोयले के संचित भंडार की दृष्टि से भारत के राज्यों का निम्नलिखित में से सही अवरोही क्रम क्या है?
(A) ओडिशा, छत्तीसगढ़, झारखंड, मध्यप्रदेश
(B) छत्तीसगढ़, ओडिशा, मध्य प्रदेश, झारखंड
(C) झारखंड, ओडिशा, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश
(D) मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा **[C]**

13. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए तथा नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए

सूची-I (कोयला-उत्पादक क्षेत्र)	सूची-II (कोयला खदान)
(a) दामोदर घाटी	1. तलचर
(b) सोन घाटी	2. बराकर
(c) गोदावरी घाटी	3. उमरिया
(d) महानदी घाटी	4. सिंगरेनी

कूट:	(a)	(b)	(c)	(d)	
(A)	2	3	4	1	
(B)	3	2	1	4	
(C)	1	3	4	2	
(D)	4	1	2	3	**[A]**

14. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए तथा नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए

सूची-I (तेलशोधनशाला)	सूची-II (राज्य)
(a) हल्दिया	1. असम
(b) जामनगर	2. केरल
(c) कोच्चि	3. गुजरात
(d) नुमालीगढ़	4. पश्चिम बंगाल

कूट:	(a)	(b)	(c)	(d)	
(A)	4	3	1	2	
(B)	4	3	2	1	
(C)	1	2	3	4	
(D)	3	4	2	1	**[B]**

15. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए तथा नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए

सूची-I (तेलशोधक कारखाना)	सूची-II (राज्य)
(a) नुमालीगढ़	1. बिहार
(b) तातीपाका	2. गुजरात
(c) कोयली	3. आंध्र प्रदेश
(d) बरौनी	4. असम

कूट:	(a)	(b)	(c)	(d)	
(A)	1	4	3	2	
(B)	2	1	4	3	
(C)	3	2	1	4	
(D)	4	3	2	1	**[D]**

1 कृषि क्षेत्र में वृद्धि एवं विकास
[Growth & Development in the Agricultural Sector]

- अर्थशास्त्र में प्राथमिक क्षेत्र से आशय उन आर्थिक गतिविधियों से है जो प्राकृतिक संसाधनों पर आधारित होती है और जिनमें कच्चे माल का उत्पादन होता है। इसमें मुख्यतः कृषि, पशुपालन, मछली पालन, वानिकी, खनन आदि सम्मिलित किये जाते है।
- **'कृषि और संबद्ध कार्यकलाप'** का क्षेत्र लंबे समय से राष्ट्रीय आय और रोजगार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ के रूप में कार्य करता रहा है।
- यह क्षेत्र वर्तमान मूल्यों पर वित्त वर्ष **2023-24** के लिए देश के **सकल घरेलू उत्पाद (GDP)** में लगभग **16%** का योगदान देता है।
- यह क्षेत्र लगभग **46.1%** आबादी को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से समर्थन प्रदान करता है, जो रोजगार का एक प्रमुख स्रोत है।

कृषि क्षेत्र में वृद्धि

- हाल के वर्षों में, भारत में कृषि क्षेत्र ने चुनौतियों के बावजूद सहनशीलता का प्रदर्शन करते हुए, वित्त वर्ष **2016-17** से वित्त वर्ष **2022-23** तक सालाना **5%** की औसत से मजबूत वृद्धि दिखाई है।
- वित्तीय वर्ष **2024-25** की दूसरी तिमाही में कृषि क्षेत्र में **3.5%** की वृद्धि दर दर्ज की गई।
- अच्छे मानसून की बदौलत **2023-24** में खरीफ खाद्यान्न उत्पादन **1647.05 लाख मीट्रिक टन** होने का अनुमान है।
- पिछले एक दशक में कृषि आय में सालाना **5.23%** की वृद्धि हुई है, जबकि गैर-कृषि आय में **6.24%** और समग्र अर्थव्यवस्था में **5.80%** की वृद्धि हुई है।
- एक प्रमुख वैश्विक अनाज उत्पादक के रूप में, भारत का विश्व के कुल उत्पादन में **11.6%** योगदान है।
- फसल क्षेत्र में वित्त वर्ष **2012-13** से वित्त वर्ष **2021-22** तक **2.1%** की मामूली चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (CAGR) दर्ज हुई है।

कृषि क्षेत्र की प्रमुख समस्याएं

- भारतीय कृषि क्षेत्र को विभिन्न समस्याओं का सामना करना पड़ता है, जिनमें प्रमुख हैं—
  - खेतों के उप-विभाजन की समस्या (Fragmentation of holdings)।
  - क्षेत्रीय विषमता (Regional disparity)–उत्पादन और विकास में राज्यों के बीच असमानता।
  - कृषि को जीवन-निर्वाह का साधन मात्र समझना (Viewing agriculture primarily as subsistence).
  - आधारभूत ढांचे (Infrastructure) व वित्त की कमी।
  - छोटी एवं बिखरी जोतें (Small and scattered land holdings)।
  - सिंचाई के स्थायी स्त्रोतों का अभाव (Lack of permanent irrigation sources)।
  - संगठित विपणन प्रणाली का अभाव (Lack of organized marketing system)।
  - निम्न कृषि यंत्रीकरण (Low level of farm mechanization)।
  - भण्डारण व परिवहन सुविधाओं की कमी (Lack of storage and transport facilities)।

विशिष्ट फसलें एवं क्षेत्र

- **तिलहन**—तिलहन क्षेत्र की वृद्धि दर अपेक्षाकृत धीमी रही है, जो **1.9%** है।
- **पुष्प-कृषि (Floriculture)**—भारत का पुष्प-कृषि उद्योग एक उच्च प्रदर्शन वाले क्षेत्र के रूप में विकसित हुआ है, जिसे **100%** निर्यात नीति के साथ **''उभरते उद्योग''** के रूप में मान्यता मिली है। इसमें कट-फ्लावर, लूज फ्लावर, सूखे फूल, कट ग्रीन्स, पॉट प्लांट्स, फूलों के बीज, इत्र और आवश्यक तेल का उत्पादन शामिल है।
  - **प्रमुख उत्पादक राज्य**—तमिलनाडु, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र। इन राज्यों के उद्यमियों ने परिष्कृत निर्यात-उन्मुख इकाइयां स्थापित की हैं।
  - **प्रमुख निर्यात देश**—यूएसए, नीदरलैंड, यूएई, यूके, कनाडा और मलेशिया।
- **मत्स्य पालन (Fisheries)**—वित्त वर्ष **2014-15** से वित्त वर्ष **2022-23** के दौरान मत्स्य पालन क्षेत्र ने वर्तमान मूल्य पर **13.67%** की उच्चतम चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (CAGR) प्रदर्शित की है।
- **अंगूर (Grapes)**—अंगूर उगाने वाले प्रमुख राज्य **महाराष्ट्र, कर्नाटक, तमिलनाडु** और **मिजोरम** हैं। **महाराष्ट्र** उत्पादन में अग्रणी है, जो **2023-24** में सबसे अधिक उत्पादकता के साथ कुल उत्पादन में **67%** से अधिक का योगदान देता है।
- **मोटा अनाज (Millets)/पोषक अनाज (Nutri-Cereals)**—
  - संयुक्त राष्ट्र महासभा ने वर्ष **2023** को **अंतर्राष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष** घोषित किया।
  - भारत **50.9** मिलियन टन से अधिक मोटा अनाज का उत्पादन करता है, जो एशिया के **80%** और वैश्विक उत्पादन का **20%** है।
  - मोटा अनाज मुख्य रूप से खरीफ की फसल है और ज्यादातर वर्षा आधारित परिस्थितियों में उगाई जाती है।
  - मोटे अनाज के पोषण मूल्य को देखते हुए सरकार ने अप्रैल **2018** में इन्हें पोषक-अनाज के रूप में अधिसूचित किया।
  - राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन (NFSM) के तहत मोटे अनाज को

जलवायु और पर्यावरण – अनुकूलन की अनिवार्यता

- **कार्बन उत्सर्जन**—भारत का प्रति व्यक्ति कार्बन उत्सर्जन वैश्विक औसत का एक तिहाई है।
- **जलवायु अनुकूलन व्यय**—वित्त वर्ष **2016** में सकल घरेलू उत्पाद के 3.7% से बढ़कर वित्त वर्ष **2022** में **5.6%** हो गया, जो जलवायु अनुकूलन में बढ़ते निवेश को दर्शाता है। जलवायु कार्रवाई का वित्तपोषण मुख्य रूप से घरेलू स्रोतों से हो रहा है, जिसमें अंतर्राष्ट्रीय वित्तपोषण अपर्याप्त है।
- **जलवायु वित्त एवं अंतर्राष्ट्रीय सहयोग**—COP29 सम्मेलन में पर्याप्त जलवायु निधि प्राप्त करने में असफलता मिली। इसमें **300** बिलियन अमेरिकी डॉलर का वार्षिक लक्ष्य निर्धारित किया गया था, जबकि वर्ष **2030** तक **5.1** से **6.8** ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर जुटाने का लक्ष्य है।

सतत विकास पहल

भारत का ऊर्जा मिश्रण (2024)

स्रोत	हिस्सेदारी (%)
कोयला	46.2
सौर	20.6
पवन	10.5
जलविद्युत	10.3
परमाणु	1.8

प्रमुख जलवायु और पर्यावरण पहलें

पहल	मुख्य उद्देश्य/लक्ष्य/उपलब्धि
MISHTI कार्यक्रम	'तटरेखा आवास और मूर्त आय के लिए मैंग्रोव पहल' मैंग्रोव वनों के पुनर्जीवन संबंधी कार्यक्रम। 540 वर्ग किमी. क्षेत्र में बहाली/पुनर्वनीकरण की परिकल्पना, 22.8 मिलियन मानव-दिवस रोज़गार, 4.5 मिलियन टन CO_2 कार्बन सिंक।
ग्रीन हाइड्रोजन मिशन	लक्ष्य वर्ष 2030 तक 5 मिलियन मीट्रिक टन ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन, 125 गीगावाट (GW) नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता द्वारा समर्थित। 6 लाख से अधिक रोज़गार, जीवाश्म ईंधन आयात में ₹1 लाख करोड़ से अधिक की कमी, वार्षिक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में लगभग 50 MMT (मिलियन टन CO_2) की कमी।
PM-सूर्य घर	वर्ष 2027 तक आवासीय भवनों की छतों पर 30 गीगावाट सौर ऊर्जा क्षमता स्थापित करने का लक्ष्य।
सॉवरेन ग्रीन बॉन्ड	भारत ने वित्त वर्ष 2024 में ₹20,000 करोड़ के बॉन्ड निर्गत किए और वित्त वर्ष 2025 का लक्ष्य ₹21,697 करोड़ है।
RBI ग्रीन डिपॉज़िट फ्रेमवर्क	नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं हेतु ऋण प्रदान किये जाने को बढ़ावा देता है।
LiFE पहल	ग्लासगो (2021) में COP26 में शुरू की गई 'पर्यावरण के लिए जीवनशैली' पहल का उद्देश्य एक अरब भारतीयों और वैश्विक नागरिकों को पर्यावरण-अनुकूल जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना। वैश्विक जीवनशैली में 13% परिवर्तन से उत्सर्जन में 20% की कमी आ सकती है। खाद्य अपशिष्ट (प्रति व्यक्ति सालाना 90 किलोग्राम) को कम करने और कारपूलिंग जैसे बदलावों से ईंधन की महत्त्वपूर्ण बचत संभव।
ग्रीन क्रेडिट कार्यक्रम	वृक्षारोपण सहित पर्यावरण संरक्षण प्रयासों को प्रोत्साहित करता है।
जल शक्ति अभियान (2019)	जल संरक्षण और वर्षा जल संचयन पर ध्यान केंद्रित। स्वच्छ नदियों पर स्मार्ट प्रयोगशाला (SLCR) के माध्यम से वरुणा नदी का कायाकल्प।
स्वच्छ भारत मिशन	अपशिष्ट प्रबंधन और संधारणीयता हेतु स्वच्छता को बढ़ावा देने पर केंद्रित।
चक्रीय अर्थव्यवस्था (Circular Economy)	इसका उद्देश्य अपशिष्ट को कम करना, मूल्यवान सामग्रियों को पुनर्चक्रित करना और संसाधन दक्षता को बढ़ावा देना है।
राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (NCAP)	शहरों में वायु गुणवत्ता संबंधी समस्याओं के समाधान हेतु शुभारंभ किया गया था।
वर्ष 2070 तक नेट-ज़ीरो उत्सर्जन	आर्थिक विकास को कम-कार्बन विकास पथ के साथ संतुलित करने का भारत का दीर्घकालिक लक्ष्य।

- **नवीनीकरण ऊर्जा**—वर्ष **2030** तक **50** प्रतिशत के अद्यतन एनडीसी लक्ष्य की तुलना में, गैर-जीवाश्म ईंधन स्रोतों से स्थापित बिजली उत्पादन क्षमता **30 नवम्बर 2024** तक **46.8 प्रतिशत** तक पहुँच गई है।
- **वन क्षेत्र**—भारत के नवीनतम वन सर्वेक्षण **2024** के अनुसार वर्ष **2030** तक **2.5 से 3 बिलियन** टन सीओ 2 के समतुल्य का अतिरिक्त कार्बन सिंक बनाने के एनडीसी लक्ष्य के मुकाबले वर्ष **2005** और वर्ष **2023** के बीच **2.29 बिलियन** टन सीओ 2 के समतुल्य का अतिरिक्त कार्बन सिंक बनाया गया है।

1 भारत का संवैधानिक विकास [Constitutional Development of India]

- **भारत में आगमन:** 1600 में, अंग्रेज **'ईस्ट इंडिया कंपनी'** के रूप में भारत में व्यापार करने आए।
- महारानी एलिजाबेथ प्रथम ने एक चार्टर के ज़रिए कंपनी को भारत में व्यापार करने के विस्तृत अधिकार दिए।
- **क्षेत्रीय शक्ति का उदय:** शुरुआत में कंपनी का काम केवल व्यापार तक ही सीमित था। लेकिन 1765 में, उसने बंगाल, बिहार और उड़ीसा से राजस्व वसूलने और न्याय करने के अधिकार भी हासिल कर लिए। यहीं से भारत में कंपनी की क्षेत्रीय शक्ति का विस्तार शुरू हुआ था।
- कम्पनी ने एक शासकीय निकाय का स्वरूप ग्रहण कर लिया।
- 1765-72 की अवधि में कम्पनी के पास अधिकार थे तथा जिम्मेदारी का अभाव था भारतीय प्रतिनिधियों के पास जिम्मेदारी थी लेकिन अधिकारों का अभाव था जिससे भ्रष्टाचार को बढ़ावा मिला। जिस कारण ब्रिटिश शासित भारत में सरकार एवं प्रशासन की विधिक रूपरेखा निर्मित की गई।

1773 का रेगुलेटिंग एक्ट

- ब्रिटिश प्रधानमंत्री लार्ड नार्थ द्वारा गोपनीय समिति की सिफारिश पर 1773 ई. में पारित एक्ट को रेग्यूलेटिंग एक्ट की संज्ञा दी गई।
- यह ब्रिटिश सरकार द्वारा भारत में ईस्ट इंडिया कंपनी के कामकाज को नियमित और नियंत्रित करने के लिए उठाया गया पहला महत्वपूर्ण कदम था।
- **नई पहचान और नींव:** इसके ज़रिए पहली बार कंपनी के प्रशासनिक और राजनीतिक कामों को आधिकारिक मान्यता मिली अर्थात् इस अधिनियम ने पहली बार ब्रिटिश केबिनेट को भारतीय मामलों पर नियंत्रण रखने का अधिकार दिया गया था और भारत में एक केंद्रीय प्रशासन की नींव रखी गई अर्थात् इस अधिनियम ने पहली बार ब्रिटिश केबिनेट को भारतीय मामलों पर नियंत्रण रखने का अधिकार दिया गया था।

मुख्य प्रावधान

- बंगाल के गवर्नर को **'बंगाल का गवर्नर-जनरल'** कहा जाने लगा और उसकी मदद के लिए चार सदस्यों की एक कार्यकारी परिषद बनाई गई। लॉर्ड वॉरेन हेस्टिंग्स पहले गवर्नर-जनरल बने।

कार्यकारी परिषद (गवर्नर परिषद)

लार्ड वारेन हेस्टिंग्स (बंगाल के गवर्नर जनरल)

क्लैवरिंग	बरवैल	फिलिप फ्रांसिस	मॉनसन (इनकी मृत्यु के पश्चात एडवर्ड ह्वीलर बने)

- **मद्रास** और **बंबई** के गवर्नर, बंगाल के गवर्नर-जनरल के अधीन हो गए, जबकि पहले सभी प्रेसिडेंसी के गवर्नर एक-दूसरे से स्वतंत्र थे।
- इस एक्ट के तहत, 1774 में कलकत्ता में एक सुप्रीम कोर्ट बनाया गया, जिसमें एक मुख्य न्यायाधीश और तीन अन्य न्यायाधीश थे।

सुप्रीम कोर्ट

सर एलिजा इम्पे (मुख्य न्यायाधीश)

राबर्ट चैम्बर्स (न्यायाधीश)	जॉन हाईड (न्यायाधीश)	स्टीफन सीसर लीमैसत्रे (न्यायाधीश)

- कंपनी के कर्मचारियों को **निजी व्यापार** करने और भारतीय लोगों से **उपहार** या **रिश्वत लेने** पर रोक लगा दी गई।
- इस एक्ट के द्वारा ब्रिटिश सरकार ने **'कोर्ट ऑफ डायरेक्टर्स'** के माध्यम से कंपनी पर अपना नियंत्रण मज़बूत कर लिया। कंपनी के लिए भारत में अपने राजस्व, नागरिक और सैन्य मामलों की जानकारी ब्रिटिश सरकार को देना ज़रूरी कर दिया गया।

नोट—वर्ष 1781 के सेटलमेंट एक्ट द्वारा 1773 के रेग्यूलेटिंग एक्ट में संशोधन किया गया तथा बंगाल के गवर्नर जनरल को बंगाल, बिहार एवं उड़ीसा पर विधि बनाने का अधिकार दिया गया।

1784 का पिट्स इंडिया एक्ट

मुख्य प्रावधान

- यह एक्ट ब्रिटेन के तात्कालिक प्रधानमंत्री **विलियम पिट** द्वारा लाया गया था इस कारण इसे पिट्स इण्डिया एक्ट कहा गया।
- इसने कंपनी के राजनीतिक और व्यापारिक कामों को अलग-अलग कर दिया।
- इसने निदेशक मंडल (Court of Directors) को कंपनी के व्यापारिक मामले देखने की अनुमति दी, लेकिन राजनीतिक मामलों के लिए **'नियंत्रण बोर्ड'** (Board of Control) नाम की एक नई संस्था बनाई। इस तरह द्वैध दोहरे शासन की व्यवस्था शुरू हुई।

नोट—नियंत्रण मण्डल में अध्यक्ष को राज्य सचिव तथा सदस्यों को कमिश्नर कहा जाता था। नियंत्रण मण्डल में कुल 6 सदस्य होते थे जिनमें से 4 सदस्य प्रीवी कांउसिल तथा 2 सदस्य ब्रिटिश मंत्रिमण्डल के होते थे।

- नियंत्रण बोर्ड को यह ताकत दी गई कि वह भारत में कंपनी के सभी नागरिक, सैन्य और राजस्व से जुड़ी गतिविधियों की निगरानी और नियंत्रण करे।
- भारत में कंपनी के अधीन क्षेत्रों को पहली बार **'ब्रिटिश अधिकार वाला क्षेत्र'** (ब्रिटिश क्राउन) कहा गया।

10. किस ब्रिटिश प्रस्ताव में, पहली बार यह प्रस्तावित किया गया कि वायसराय की कार्यकारी परिषद् में गवर्नर जनरल एवं कमांडर-इन-चीफ के अलावा मुख्य रूप से भारतीय सदस्य होंगे? [IInd Grade (Sans. Edu.) 2024]
(A) वेवल योजना
(B) भारत सरकार अधिनियम, 1947
(C) कैबिनेट मिशन योजना
(D) माउंटबेटन योजना **[A]**

11. भारत सरकार अधिनियम, 1919 के तहत भारतीय विधान परिषद में कितने सदस्यों की नियुक्ति की जानी थी? [IInd Grade Group A-30.07.2023]
(A) 150 (B) 100 (C) 75 (D) 50 **[C]**

12. किस भारत सरकार अधिनियम के तहत भारत में संघ और प्रांतीय स्वायत्तता की शुरुआत की गई? [IInd Grade Group A-30.07.2023]
(A) भारत सरकार अधिनियम, 1935
(B) भारत सरकार अधिनियम, 1947
(C) भारत सरकार अधिनियम, 1861
(D) भारत सरकार अधिनियम, 1909 **[A]**

13. भारत सरकार अधिनियम, 1919 के तहत भारतीय जनसंख्या के किस वर्ग को वोट देने का अधिकार दिया गया था?
(A) भारत के सभी नागरिकों [IInd Grade Group A-30.07.2023]
(B) भारत में रहने वाले केवल ब्रिटिश नागरिकों
(C) केवल वे पुरुष जो कुछ निश्चित सम्पत्ति और शैक्षिक योग्यताएँ पूरी करते हों
(D) केवल वे महिलाएँ जो कुछ निश्चित सम्पत्ति और शैक्षिक योग्यताएँ पूरी करती हों **[C]**

14. भारत शासन अधिनियम, 1935 के तहत महासंघ में अवशिष्ट शक्तियाँ दी गईं — [IInd Grade Group A-30.07.2023]
(A) प्रांतीय विधानमंडल (B) प्रांतीय गवर्नर
(C) गवर्नर जनरल (D) संघीय विधायिका **[C]**

15. निम्नलिखित में से किसने मॉण्टेग्यू-चेम्सफोर्ड सुधारों को 'असंतोषजनक, निराशाजनक और प्रकाशहीन सूर्य' बताया है— [IInd Grade (Sans. Edu.) 12.02.2023]
(A) डॉ. एनीबीसेन्ट (B) गोपाल कृष्ण गोखले
(C) लाला लाजपतराय (D) बाल गंगाधर तिलक **[D]**

16. निम्नलिखित में से कौनसा भारत सरकार अधिनियम, 1935 द्वारा स्थापित अथवा पुनर्गठित किया गया था?
(I) संघीय लोक सेवा आयोग (II) संघीय न्यायालय
सही विकल्प का चयन करें— [IInd Grade (Sans. Edu.) 12.02.2023]
(A) केवल (II) (B) (I) और (II)
(C) केवल (I) (D) न तो (I) और ना ही (II) **[B]**

17. भारत शासन अधिनियम, 1935 की किस अनुसूची में तीन सूचियाँ थीं, जिनमें केन्द्र तथा प्रांतों के मध्य शक्तियों के विभाजन का प्रावधान था? [IInd Grade (Sans. Edu.) Group B 12.02.2023]
(A) अनुसूची V (B) अनुसूची VI
(C) अनुसूची VII (D) अनुसूची VIII **[C]**

18. भारत शासन अधिनियम, 1919 के प्रावधान के अंतर्गत विधानसभा में गैर-निर्वाचित सरकारी सदस्यों की संख्या थी— [IInd Grade (Sans. Edu.) Group B 12.02.2023]
(A) 40 (B) 26 (C) 28 (D) 32 **[B]**

19. भारत शासन अधिनियम, 1935 के अनुसार प्रस्तावित संघ विधायिका के उच्च सदन का नाम था— [IInd Grade 29.01.2023]
(A) फेडरल चैम्बर ऑफ प्रॉविंसेज (B) काउंसिल ऑफ स्टेट
(C) काउंसिल ऑफ स्टेट्स (D) चैम्बर ऑफ प्रिंसेज **[B]**

20. 1919 के अधिनियम ने भारत में पहली बार किस व्यवस्था की शुरुआत की? [IInd Grade Group C 29.01.2023]
(A) प्रत्यक्ष निर्वाचन (B) वयस्क मताधिकार
(C) संघीय न्यायालय (D) प्रांतीय स्वायत्तता **[A]**

21. 1935 के अधिनियम द्वारा निम्न में से किस व्यवस्था को समाप्त किया गया? [IInd Grade Group D 29.01.2023]
(A) साम्प्रदायिक निर्वाचन (B) प्रांतीय स्वायत्तता
(C) प्रांतों में द्वैध शासन (D) भारत सचिव का पद **[C]**

22. निम्न में से किस अधिनियम द्वारा प्रांतों में उत्तरदायी शासन की स्थापना का प्रयास किया गया? [IInd Grade Group D 29.01.2023]
(A) 1909 का अधिनियम (B) 1892 का अधिनियम
(C) 1862 का अधिनियम (D) 1919 का अधिनियम **[D]**

23. निम्नांकित में से कौनसा भारत में संवैधानिक विकास का सही कालक्रम है? [IInd Grade Group D 29.01.2023]
(a) केन्द्रीय विधायिका के दो सदन
(b) केन्द्रीय विधानसभा के लिए निर्वाचन
(c) संविधान सभा की रचना
(d) केन्द्र और इकाईयों के मध्य शक्ति का वितरण
भारत में संवैधानिक विकास का सही कालक्रम है—
(A) (a), (b), (c), (d) (B) (b), (c), (d), (a)
(C) (b), (a), (d), (c) (D) (b), (d), (a), (c) **[C]**

24. 'भारत सचिव' का पद निम्नलिखित में से किसके द्वारा बनाया गया था?
(A) 1773 का रेग्युलेटिंग एक्ट
(B) 1858 का भारत शासन अधिनियम
(C) 1861 का भारतीय परिषद अधिनियम
(D) 1853 का चार्टर अधिनियम **[C]**

25. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये-
I. 1861 के भारतीय परिषद अधिनियम द्वारा पहली बार भारतीय विधानपरिषद में स्थानीय प्रतिनिधित्व की शुरुआत हुई।
II. 1833 का चार्टर अधिनियम सिविल सेवकों के चुनाव के लिये खुली प्रतियोगी प्रक्रिया आरंभ करने का एक प्रयास था।
उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा सत्य है?
(A) केवल II (B) केवल I
(C) I और II दोनों (D) न तो I और न ही II **[B]**

26. 'एक्ट ऑफ सेटलमेंट' किस एक्ट की त्रुटियों को दूर करने के लिये पारित किया गया?
(A) 1773 का रेग्युलेटिंग एक्ट (B) 1784 का पिट्स इंडिया एक्ट
(C) चार्टर अधिनियम, 1793 (D) उपर्युक्त में से कोई नहीं **[A]**

27. निम्नलिखित में से किस अधिनियम के माध्यम से भारत में पहली बार विधानपरिषद की स्थापना की गई थी?
(A) 1853 का चार्टर अधिनियम (B) 1858 का भारत शासन अधिनियम
(C) 1833 का चार्टर अधिनियम (D) 1813 का चार्टर अधिनियम **[B]**

28. निम्नलिखित में से किस अधिनियम के अंतर्गत भारतीय विधान परिषद को बजट पर बहस करने की शक्ति प्राप्त हुई?
(A) भारत शासन अधिनियम, 1919
(B) भारतीय परिषद अधिनियम, 1909
(C) भारतीय परिषद अधिनियम, 1861
(D) भारतीय परिषद अधिनियम, 1892 **[D]**

दक्ष की पुस्तकें Online Order करने के लिए www.dakshbooks.com पर जायें

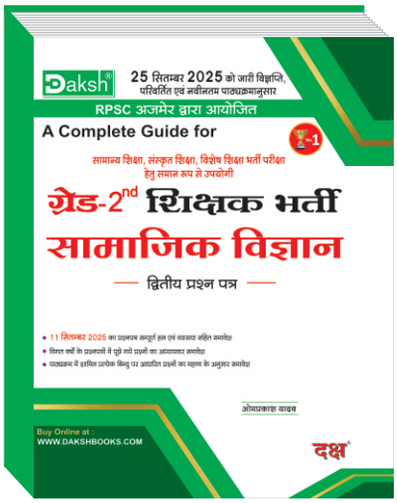

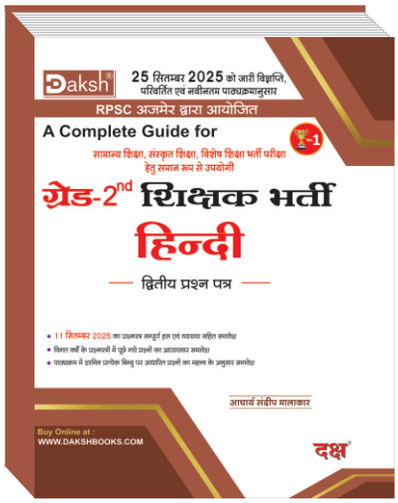

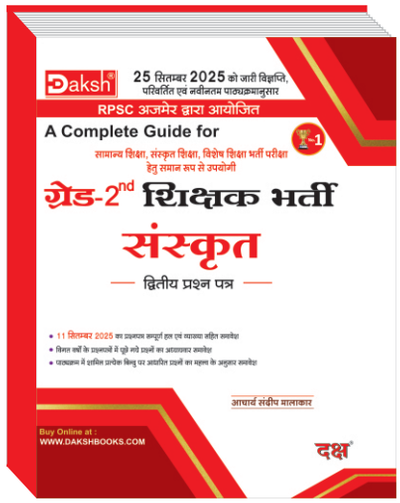

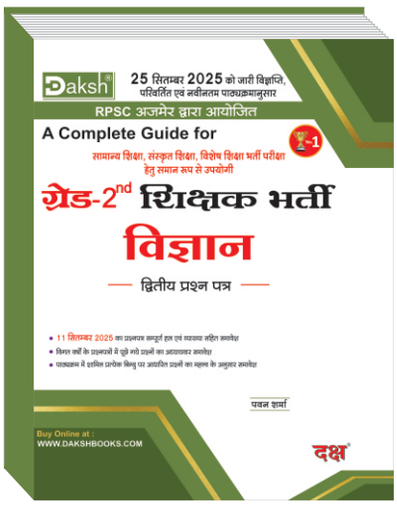

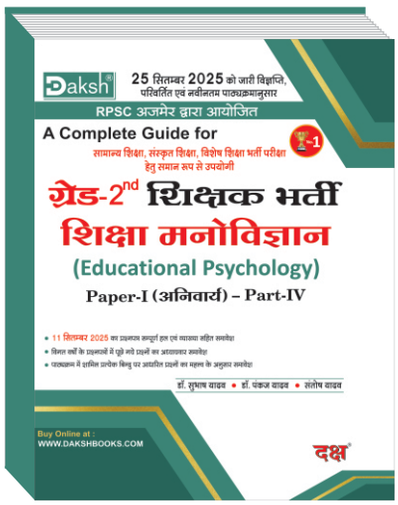

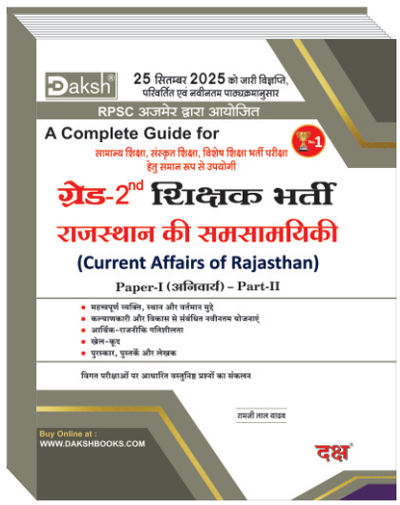

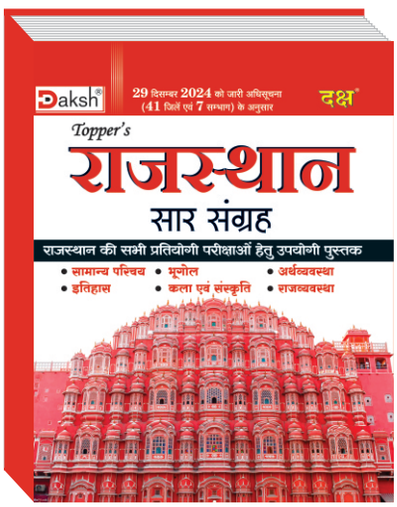

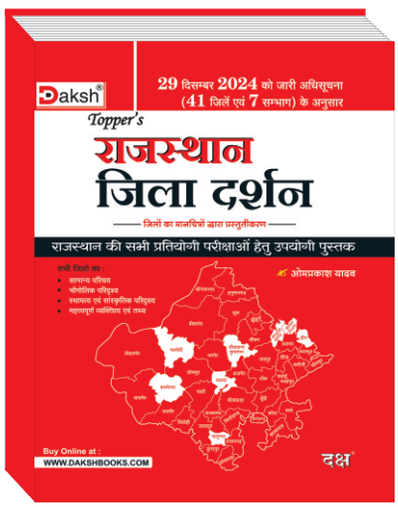

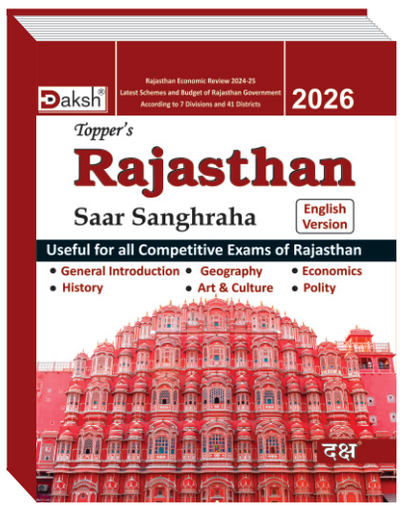

DAKSH PUBLICATIONS
(A Unit of College Book Centre)
A-19 सेठी कॉलोनी, जयपुर (राज.)
फोन नं. 0141-2604302
Code No. D-899 | ₹ 1280/-

इस पुस्तक को ONLINE खरीदने हेतु
WWW.DAKSHBOOKS.COM
पर ORDER करें
★ SPECIAL DISCOUNT + FREE DELIVERY ★